रोहतक
सोमवार 23 मार्च 2026
चैत्र मास शुक्ल पक्ष,
पंचमी वर्ष : 30, अंक : 47
पृष्ठ 12 मूल्य 3 .00

मौसम
अधि. 30.8
न्यून. 12.3

haribhoomi.com

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

शहीद दिवस आज

भारत की जनगणना 2027 CENSUS OF INDIA

गृह मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

हमारी जनगणना हमारा विकास

भारत की सबसे बड़ी जनभागीदारी प्रक्रिया जनगणना 2027 शुरू हो रही है
यह सिर्फ गणना नहीं... यह है विकसित भारत @2047 का आधार

जनगणना का पहला चरण

- मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना
- अप्रैल से सितंबर, 2026 - राज्य / संघ-राज्य क्षेत्र द्वारा चुनी हुई 30 दिन की अवधि में
- हर मकान की जानकारी दर्ज की जाएगी
- घर की स्थिति, सुविधाएँ और मूलभूत जानकारी संकलित की जाएगी

स्व-गणना कैसे करें?

स्व-गणना (Self-Enumeration)
ऑनलाइन (se.census.gov.in) पोर्टल पर जायें, तथा SE ID प्राप्त करें

प्रगणक (Enumerator) आपके घर आयें तो उनके साथ SE ID साझा करें

जनगणना से क्या लाभ?

- भविष्य की नीतियों का सटीक आधार
- संसाधनों का उचित वितरण
- सही जगह पर सही योजनाएँ
- बेहतर स्कूल, अस्पताल और सड़कें
- हर वर्ग और हर क्षेत्र का समुचित विकास

जनगणना बताती है — कहाँ ज़रूरत है, किसे मदद चाहिए, और देश को आगे कैसे बढ़ाना है

जनगणना का दूसरा चरण फरवरी, 2027 में

आपकी जानकारी पूरी तरह सुरक्षित

- जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत गोपनीय रखी जाती है
- नाम और पहचान सार्वजनिक नहीं की जाती
- डेटा न टैक्स के लिए, न किसी जांच के लिए, सिर्फ राष्ट्र-निर्माण के काम आता है

आपका सहयोग जरूरी है

- जब प्रगणक (Enumerator) आएं, सही और पूरी जानकारी दें
- आपकी एक सही जानकारी आने वाले कई वर्षों की योजनाओं की दिशा तय करती है
- सही जानकारी दें, गर्व से भाग लें, देश के विकास में साथ चलें

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी करें जनगणना में भागीदारी

CensusIndia2027

CBC 19108/13/0026/2526

उत्तर भारत की खापों ने सिंधु परिवार को पहनाई पगड़ी, पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु बोले -मेरे मन में पहले दिन से किसी के प्रति शिकवा नहीं था, न अब है और न रहेगा

- आगजनी के मामले में 57 युवकों के रिहा होने पर खापों ने किया सिंधु परिवार को सम्मानित
- जींद में हुई महापंचायत में उत्तर भारत की 165 खापों के चौधरी पहुंचे
- कैप्टन अभिमन्यु बोले, खापों की सरदारी करना बहुत बड़ी तपस्या

सतेंद्र पंडित ⏭ जींद

रोहतक चौरासी खाप के आह्वान पर रविवार उत्तर भारत सर्वखाप भाईचारा खाप का आयोजन जाट धर्मशाला में किया गया। जिसकी अध्यक्षता सतरोल खाप के अध्यक्ष संदीप खर्ब ने की। सर्वखाप पंचायत ने आगजनी के मामले में 57 युवकों के रिहा होने पर पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु, उनके बड़े भाई वीरसेन सिंधु, व्रतपाल सिंधु और छोटे भाई मेजर सत्यपाल सिंधु को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। वहीं, इस समझौते में अहम भूमिका निभाने वाले सतरोल खाप के प्रधान संदीप खर्ब, पूर्व प्रधान रामनिवास लोहान, रोहतक चौरासी के प्रधान हरदीप अहलावत, पूर्व विधायक सोमबीर सांगवान को भी पगड़ी पहना कर सम्मानित किया गया। सर्वजातीय खाप महापंचायत में उत्तर भारत की 165 खापों के चौधरियों ने भाग लिया। खाप चौधरियों ने साफ कहा कि सिंधु परिवार ने खाप पंचायतों का मान-सम्मान रखकर इतिहास रच दिया है, जिन्होंने 57 परिवारों के चमन उजड़ने से बचा लिए। वहीं पंचायत में मंच का संचालन सतरोल खाप के फूल कंवार पेटवाड़ ने किया। महापंचायत आयोजित करवाने में सतरोल खाप के प्रधान संदीप खर्ब व रोहतक चौरासी खाप के प्रधान हरदीप अहलावत ने अहम भूमिका निभाई।

जींद। महापंचायत में लोगों का अभिवादन करते हुए पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

जींद। महापंचायत में पूर्व वित्तमंत्री के बड़े भाई वीरसेन सिंधु को खाप प्रतिनिधियों ने पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।

जींद। खाप प्रतिनिधियों के पैर छूकर आशीर्वाद लेते पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

जींद। खाप पंचायत में हिस्सा लेते उत्तर भारत के चौधरी व साथ मौजूद कैप्टन अभिमन्यु।

पंचायत में मौजूद लोग राम का रूप : कैप्टन

इस मौके पर कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि पंचायत को गाम राम कहा जाता है। खाप पंचायत में मौजूद लोग उनके लिए राम का रूप हैं। हम पूरे परिवार की तरफ से सिर झुकाकर और हाथ जोड़कर सबका दिल से आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे मन में पहले दिन से ही कोई गिला शिकवा नहीं था, न अब है और न ही आगे रहेगा। खाप पंचायतों ने जो फैसला किया है, हम उसका दिल की गहराइयों से मान-सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि मेरे बड़े भाई वीरसेन सिंधु, वृतपाल सिंधु, छोटे भाई मेजर सतपाल सिंधु पंचायत में मौजूद हैं। वहीं, बड़े भाई कैप्टन रुद्रसेन सिंधु ने भी संदेश भेजा है। उन्होंने कहा कि समाज में खापों की सरदारी करना बड़ी तपस्या है। जो अपने घर परिवार से समय निकालकर लोगों के सुख-दुःख में हाजिर होते हैं। कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि सभी प्रेम से मिल जुलकर रहें।

खापों के ये चौधरी मौजूद रहे

कंडेला खाप के ओमप्रकाश कंडेला, हुड्डा खाप के धर्मपाल हुड्डा, राठी खाप के रणबीर राठी, बलजीत कटवाल, दहिया खाप के सुरेंद्र दहिया, खत्री खाप के सुरेंद्र सिंह, कालीरमणा खाप के कर्मबीर, पूर्व सरपंच योगानंद, मोर खाप के दलबीर, 52 खाप के अरूण जैलदार, नौगामा खाप के प्रधान डॉ. दलबीर सिंह बीबीपुर, खेड़ा खाप के लीलाराम, किसान नेता कृष्ण किरमारा, श्योराण खाप यूपी के प्रमिंद्र, सिरोहा खाप के रणधीर सिंह, नरवाल खाप के भल्ले राम नरवाल, सुबेर सिंह जैलदार, नांदल खाप के पूर्व महासचिव अशोक नांदल, गठवाला खाप से दादा बलजीत सिंह, नैन खाप से ईश्वर नैन, सतरोल खाप के सचिव बिजेंद्र नान्हा, सर्वखाप के प्रवक्ता कैप्टन जगबीर मलिक, सर्वजातीय नरवाना खाप के किताब सिंह मोर, बारह खाप सर्वजातीय से संदीप भारती, झज्जर से राजेश धनखड़ समेत हरियाणा और अन्य प्रदेशों से खाप पंचायतों के प्रधान और प्रतिनिधि शामिल हुए।

सिंधु परिवार की मेहरबानी से हुए युवा रिहा : सोमबीर सांगवान

दादरी के पूर्व विधायक सोमबीर सांगवान ने कहा कि यह सब सतरोल खाप और सिंधु परिवार के प्रयासों से मुमकिन हो पाया है। सिंधु परिवार ने अपना फैसला सतरोल खाप और समाज पर छोड़कर बड़ा दिल दिखाया। इसके बाद समाज के 57 युवा रिहा हुए थे। महापंचायत में सांगवान ने चिंता जताई कि युवा नशे और अपराध की तरफ जा रहे हैं। इन्हें बचाना होगा। समाज को आगे ले जाना है तो एक-दूसरे की टांग खिंचाई बंद करनी होगी।

कैप्टन अभिमन्यु ने फैसला खाप व समाज पर छोड़ा : रामनिवास लोहान

सतरोल खाप के पूर्व प्रधान रामनिवास लोहान ने कहा कि रोहतक चौरासी के खाप प्रधान हरदीप अहलावत ने बच्चों को लेकर बात रखी, पूर्व विधायक सोमबीर सांगवान ने बात को आगे बढ़ाते हुए सतरोल खाप से बातचीत की। कैप्टन अभिमन्यु ने पूरा मामला अपनी खाप तथा समाज पर छोड़ दिया। निर्णय सकारात्मक रहा, सिंधु परिवार को सम्मान किया जाना भी समाज की जिम्मेदारी बनती है।

कैप्टन अभिमन्यु और सतरोल खाप का आभार : हरदीप अहलावत

रोहतक चौरासी के प्रधान हरदीप अहलावत ने कहा कि परिस्थितियां बिल्कुल उलट थी। सोमबीर सांगवान और सतरोल खाप ने आस जगाई। कैप्टन अभिमन्यु परिवार ने सभी आरोपितों को माफ कर दिया था और फैसला सतरोल खाप तथा समाज पर छोड़ दिया था। उन्होंने 57 युवकों के रिहा होने पर सिंधु परिवार, सतरोल खाप तथा सोमबीर सांगवान का आभार जताया। वहीं, चौहान खाप 52 के प्रधान ज्ञान चंद चौहान ने कहा कि सिंधु परिवार ने युवकों को माफ कर उन्हें जीवनदान दिया है। समाज सिंधु परिवार का आभारी है।

सिंधु परिवार सम्मान का हकदार : राय बहादुर

दादा घासी मलिक के पोते राय बहादुर ने कहा कि स्वामी दयानंद को जहर दिया गया था। फिर भी उन्होंने जहर देने वाले को माफ कर दिया था। सिंधु परिवार द्वारा युवकों को माफ किए जाने पर आभार जताया। सिंधु परिवार सम्मान का हकदार है और वह समाज ने उन्हें दिया है।

सिंधु परिवार ने दिखाई दरियादिली : रघुबीर नैन

बिनैण खाप के प्रधान रघुबीर नैन ने कहा कि वह बाबा नफे नैन के साथ कैप्टन अभिमन्यु के आवास पर पहुंचे थे। उस दौरान कोठी के हालात देख कर कहा था कि यह कार्य माफी लायक नहीं है। फिर भी कैप्टन अभिमन्यु ने साफ कहा था कि जो समाज फैसला लेगा मैं उस पर खरा उतरुंगा। घटना से कैप्टन को काफी अर्थिक तथा राजनीतिक नुकसान हुआ। फिर भी सिंधु परिवार ने बड़ी दरियादिली दिखाई है।

सिंधु परिवार प्रशंसा का पात्र : टेकराम कंडेला

सर्वजात सर्वखाप पंचायत के राष्ट्रीय संयोजक टेकराम कंडेला ने कहा कि सिंधु परिवार हमेशा समाज उत्थान में सक्रिय रहा है। सिंधु परिवार ने उन युवकों को नया जीवनदान दिया है। इसके लिए जितनी प्रशंसा सिंधु परिवार की कि जाए उतनी कम है। उन्होंने सिंधु परिवार का अभार जताया।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में शहीद हुए सीआरपीएफ जवानों को दी श्रद्धांजलि

आतंकवाद और नक्सलवाद को खत्म करने के लिए देश प्रतिबद्ध : नायब

- लेजर वैली पार्क में शहीद- ए आजम भगत सिंह की प्रतिमा लगाने की घोषणा

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आतंकवाद और नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री गुरुग्राम में होम डेवलपर्स एसोसिएशन द्वारा छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में शहीद हुए सीआरपीएफ जवानों के सम्मान में आयोजित शहीदी दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लेजर वैली पार्क में भगत सिंह की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की और भगत सिंह, राजगुरु तथा सुखदेव के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने सीआरपीएफ के डीआईजी परम शिवम को 38.25 लाख रुपये की सहायता राशि का चेक प्रदान किया। यह राशि गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन द्वारा एकत्रित की गई है, जिसका उपयोग शहीद जवानों के परिवारों के कल्याण में किया जाएगा। उन्होंने दजवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सच्चा देशभक्त वही है, जो राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर दे।

शहीद परिवारों के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शहीदों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में सरकार ने शहीदों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं और अब तक 418 आश्रितों को नौकरी दी जा चुकी है। शहीद हुए जवानों के लिए अनुग्रह राशि 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये कर दी गई है।

कलेक्टर रेट बढ़ाकर लोगों पर बोझ डालने की तैयारी में सरकार

चंडीगढ़। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव और सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भाजपा की नायब सिंह सैनी सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा है कि 1 अप्रैल 2026 से

कलेक्टर रेट बढ़ाकर सरकार लोगों पर भार डालने की तैयारी कर रही है। रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा सरकार पिछले 9 महीने में ही प्रॉपर्टी खरीद-फरोख्त, रजिस्ट्री और स्टांप ड्यूटी से 13,099 करोड़ की उगाही कर चुकी है। अब 1 अप्रैल से कलेक्टर रेट में 5% या उससे ज्यादा बढ़ोतरी के साथ 10,000 करोड़ की और वसूली की तैयारी है। यानी प्लॉट, फ्लैट या छोटा सा मकान बनाने का सपना देखने वाले हर हरियाणवी से कुल 23,000 करोड़ की लूट की जा रही है। रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि कलेक्टर बढ़ने से प्रदेश के आम आदमी की जेब पर सीधा असर पड़ेगा।

धर्म के नाम पर लोगों को बांट रही भाजपा : सैलजा

पंचकूला में पूर्व सीएम की प्रतिमा का अनावरण

पंचकूला। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सिरसा सांसद सैलजा ने कहा भाजपा ने धर्म के नाम पर लोगों को बांट रही है। सिरसा सांसद रविवार को पंचकूला सेक्टर-15 स्थित बिश्नोई भवन में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। सांसद सैलजा ने चौधरी भजनलाल को एक दूरदर्शी एवं कुशल राजनीतिज्ञ बताते हुए कहा कि हरियाणा के विकास में उनका योगदान अविस्मरणीय है।

पूर्व सीएम को याद किया

उन्होंने कहा कि चौधरी भजनलाल सामाजिक एकता, भाईचारे और सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक थे, यही कारण है कि आज भी सभी वर्गों के लोग उन्हें सम्मानपूर्वक याद करते हैं।

डीजीपी सिंघल ने माता मनसा देवी मंदिर में की पूजा- अर्चना

चंडीगढ़। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने अपनी सीमा सिंघल के साथ पंचकूला स्थित विश्व प्रसिद्ध माता मनसा देवी मंदिर में श्रद्धा भाव से माथा टेककर विधि-विधान के साथ विशेष पूजा-अर्चना एवं हवन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की शांति, कानून-व्यवस्था की मजबूती और जनकल्याण के लिए मां भगवती से आशीर्वाद मांगा। मंदिर पहुंचने पर डीजीपी अजय सिंघल एवं उनकी पत्नी का मंदिर प्रशासन द्वारा पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। इसके बाद विधिवत हवन का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने पूर्ण श्रद्धा के साथ आहुति दी। पूजा-अर्चना के पश्चात उन्होंने मां मनसा देवी के दरबार में विशेष प्रार्थना करते हुए प्रदेश में शांति, सामाजिक सौहार्द की भी कामना की।

आईडीएफसी बैंक घोटाले की जांच तेज, कई लोगों से पूछताछ की तैयारी

एचपीजीसीएल के डॉयरेक्टर फाइनेंस की गिरफ्तारी के बाद अन्य अधिकारियों की कुंडली खंगाल रही एसीबी

योगेंद्र शर्मा ⏭ चंडीगढ़

आईडीएफसी बैंक घोटाले में हरियाणा पावर जनरेशन कारपोरेशन लिमिटेड के निदेशक फाइनेंस अमित दीवान की गिरफ्तारी के साथ ही कुछ अन्य पर भी कार्रवाई की तलवार लटक गई है। बताया जा रहा है कि बड़ी मछलियों को बचाने के चक्कर में कुछ छोटों पर गाज गिराने की तैयारी है। चार्जशीट के साथ साथ कुछ अन्य कार्रवाई के लिए होमवर्क कर लिया गया है। इतना ही नहीं एसीबी की कार्रवाई और आए दिन पूछताछ में नित नए खुलासे हो रहे हैं, जिस कारण बाकी बिजली कंपनियों में वित्त से संबंधी मोटे लेनदेन करने वाले और निजी बैंक अफसरों के संपर्क में रहने वालों की नींद हराम हो गई है। एसीबी उनके पूछताछ कर सकती है।

महिला बैंकर पर लटकी तलवार

एक निजी बैंक में प्रशासनिक अधिकारी परिवार से जुड़ी हाई प्रोफाइल महिला पर भी कार्रवाई की तलवार लटकी हुई है, बताया जा रहा है कि पूरे मामले में अपने रसूख का इस्तेमाल करते हुए उक्त महिला ने सरकारी विभागों से जुड़ी राशि को अपने यहां पर ट्रांसफर करा लिया था। पूरे मामले में एसीबी के अधिकारी फूंक फूंककर कदम रख रहे हैं ताकि निर्दोष पर हाथ नहीं डाला जाए और दोषी बचे नहीं। इस क्रम में आने वाले दिनों में जहां एचपीजीसीएस में कुछ बड़े चेहरों को भी चार्जशीट करने की तैयारी है, वहीं कुछ पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है। अब देखना यह होगा कि दूसरे चरण की कार्रवाई में एसीबी टीम निजी बैंक के कौन कौन से चेहरों पर शिकंजा कसने को तैयार है, साथ ही बिजली निगमों में किन कर्मियों और अधिकरियों पर कार्रवाई की तैयारी है।

रिमांड खत्म होने के बाद आरोपियों को जेल भेजा

चंडीगढ़। आईडीएफसी 590 करोड़ बैंक घोटाले में जैसे-जैसे एसीबी की जांच पड़ताल आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे एक एक कड़ी जुड़ती चली आ रही है। 590 करोड़ बैंक घोटाले की जांच में एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा गिरफ्तार एचपीजीसीएल (हरियाणा पावर जेनरेशन कॉर्पोरेशन) डायरेक्टर फाइनेंस अमित दीवान का तीन दिनों का रिमांड समाप्त होने के बाद में उसे जिला न्यायालय में पेश किया गया। यहां से 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार 18 मार्च 2026 को पुख्ता साक्ष्यों और पूछताछ में तथ्य सामने आने के बाद ही अमित दीवान को गिरफ्तार कर लिया गया।

मोरनी की पहाड़ियों पर ट्रेकिंग करेंगी छात्राएं

पंचकूला। प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर मोरनी की पहाड़ियों एक बार फिर युवाओं के उत्साह और जोश का साक्षी बनने जा रही है। विभिन्न विश्वविद्यालय की छात्राओं के लिए 4 दिवसीय विशेष ट्रेकिंग अभियान का आयोजन हसरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अर्न्तगत किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को साहसिक गतिविधियों से जोड़ना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।यह ट्रेकिंग यात्रा कार्यक्रम आज नेचर कैंप थापली से प्रारंभ होकर मोरनी की हरी भरी वादियों तक पहुंचेगी। इस दौरान छात्राएं कठिन पहाड़ी रास्तों घने जंगलों और प्राकृतिक वातावरण के बीच अपनी क्षमता और साहस का प्रदर्शन करेंगी। चार दिनों तक चलने वाला यह अभियान न केवल रोमांच से भरपूर होगा, बल्कि सीखने और आत्मविकास का भी महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा। युवा कल्याण संयोजक नरेन्द्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशनुसार हरियाणा सरकार युवाओं के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार बेहतर अनुभव और अवसर उपलब्ध कराने के लिए नई आधारभूत संरचनाओं का निर्माण कर रही है।

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु) नियम 8-(1)

चूंकि, प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के प्रवर्तन और वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रत्यभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत आईआईएफएल होम फाइनैंस लिमिटेड (पूर्व में इंडिया इंफोलाइन हाउसिंग फाइनैंस लि. के रूप में जानी जाती) (आईआईएफएल एचएफएल) का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमों, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये अधोहस्ताक्षरी ने कम्पनी के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा यहां नीचे वर्णित कर्जदार / सह-कर्जदारों को राशि का पुनर्भुगतान करने के लिए एक डिमांड नोटिस जारी किया गया था, कर्जदार को और आम जन को सामान्यतः एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमों की धारा 13 (4) के तहत उनको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा ले लिया है। कर्जदार को विशेषतः और आमजन को सामान्यतः एतद द्वारा सम्पत्ति के साथ डील नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ कोई भी डीलिंग उस पर ब्याज सहित यहां नीचे वर्णितानुसार राशि के लिये आईआईएफएल एचएफएल की वसूली के अधीन होगी। "कर्जदार का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की तरफ आमंत्रित किया जाता है, यदि कर्जदार बिक्री अथवा हस्तांतरण के लिये निर्धारित तिथि से पूर्व किसी भी समय सभी लागतों, हुये परिव्ययों और व्यय सहित "आईआईएफएल एचएफएल" को देय भुगतान कर देता है, प्रत्यभूत परिसम्पत्तियों को "आईआईएफएल एचएफएल" द्वारा बेचा अथवा हस्तांतरित नहीं किया जाएगा और प्रत्यभूत परिसम्पत्तियों के हस्तांतरण अथवा बिक्री हेतु "आईआईएफएल एचएफएल" द्वारा आगे कोई कदम नहीं उठाया जाएगा।"

कर्जदार(रों)/सह-कर्जदार(रों) का नाम	प्रत्याभूत परिसम्पत्ति (अचल सम्पत्ति) का वर्णन	कुल बकाया देय (रु.)	डिमांड नोटिस की तिथि	कब्जे की तिथि
श्री रविन्दर कुमार श्रीमती प्रेम लता (प्रोस्पैक्ट नं. IL10425656)	गांव हसगढ़ (डाकघर हफिजपुर), निकट सुखदेव करयाना स्टोर, तहसील जगाधरी, जिला यमुनानगर, हरियाणा- 135002 में स्थित यू.आई.डी. नं. 578810103 सहित प्लॉट/मकान। क्षेत्रफल माप (वर्गफुट में): सम्पत्ति प्रकार : Land Area, Built Up Area, Carpet Area, सम्पत्ति क्षेत्रफल : 771, 720, 576	रु. 449246/- रुपये चार लाख उनचास हजार दो सौ छियालीस केवल	07-04-2025	19/03/2026
श्री लखी राम श्रीमती मेना बाई (प्रोस्पैक्ट नं. IL10624385)	एलजीडी आईडी नं. 604330130 यू.आई.डी. नं. 604330spas 1000r0130a वाला प्लॉट/मकान, गांव घोतरू, भुना, फतेहाबाद, हरियाणा-125111 क्षेत्रफल माप (वर्गफुट में): सम्पत्ति प्रकार : Land Area, Built Up Area, सम्पत्ति क्षेत्रफल : 941.00, 858.00	रु. 542210/- रुपये पांच लाख बयालीस हजार दो सौ दस केवल	24-10-2025	19/03/2026
श्री बिरभान श्रीमती केलो देवी बिरभान पलम्बर (प्रोस्पैक्ट नं. IL10501826)	गांव चोचरा के लाल डोरा, तहसील असंध, जिला करनाल, हरियाणा, भारत-132039 में स्थित एलजीडी नं. 593130757 सहित प्लॉट/मकान। क्षेत्रफल माप (वर्गफुट में): सम्पत्ति प्रकार : Land Area, Built Up Area, Carpet Area, सम्पत्ति क्षेत्रफल : 367.00, 366.00, 293.00	रु. 468277/- रुपये चार लाख अड़सठ हजार दो सौ सतहत्तर केवल	11-09-2025	19/03/2026
श्री जसविन्दर सिंह श्रीमती लखविन्दर कौर जसविन्दर सिंह पलम्बर (प्रोस्पैक्ट नं. IL10630414)	गांव अबालाकी-1, तहसील व जिला फतेहाबाद, हरियाणा, भारत-125051 में स्थित खेवट नं. 394, खतौनी नं. 428 में निहित सम्पत्ति। क्षेत्रफल माप (वर्गफुट में): सम्पत्ति प्रकार : Land Area, Built Up Area, Carpet Area, सम्पत्ति क्षेत्रफल : 1089.00, 904.00, 723.00	रु. 522657/- रुपये पांच लाख बाईस हजार छह सौ सतावन केवल	24-10-2025	19/03/2026
श्री जगगी श्रीमती रानी कौर इलैक्ट्रिशियन (प्रोस्पैक्ट नं. IL10642096)	गांव भंदड़वास का लाल डोरा, तहसील रतिया, जिला फतेहाबाद, हरियाणा, भारत-125051 में स्थित एलजीडी आईडी नं. 602920378 और यूआईडी नं./सम्पत्ति कोड 602920NPAS1000R0378A सहित प्लॉट/मकान। क्षेत्रफल माप (वर्गफुट में): सम्पत्ति प्रकार : Land Area, Built Up Area, Carpet Area, सम्पत्ति क्षेत्रफल : 1436.00, 977.00, 782.00	रु. 523419/- रुपये पांच लाख तेईस हजार चार सौ उन्नीस केवल	24-10-2025	19/03/2026
श्री राज कुमार श्री आजाद सिंह श्री रणधीर सिंह श्रीमती शकुंतला देवी (प्रोस्पैक्ट नं. IL10709621)	गांव हजधाना, तहसील फतेहपुर पुन्हारी, जिला कैथल, हरियाणा-136026, भारत में स्थित खेवट नं. 400 मुरब्बा नं. 401/1, खेवट नं. 402 मुरब्बा नं. 401/2 में निहित सम्पत्ति। क्षेत्रफल माप (वर्गफुट में): सम्पत्ति प्रकार : Land_Area, Built_Up_Area, Carpet_Area, सम्पत्ति क्षेत्रफल : 2178.00, 412.00, 330.00	रु. 322662/- रुपये तीन लाख बाईस हजार छह सौ बासठ केवल	25-10-2025	19/03/2026
श्री राजेश श्रीमती सुमित्रा हार्दिक सर्विस स्टेशन (प्रोस्पैक्ट नं. IL10738530)	भुटान कलां, तहसील व जिला फतेहाबाद, हरियाणा, भारत-125050 में स्थित खेवट नं. 2264, खतौनी नं. 2399 खसरा नं. 386//12/1 (1-0), 438//1(8-0), 10(8-0), 11(8-0), (25-0) में निहित सम्पत्ति। क्षेत्रफल माप (वर्गफुट में): सम्पत्ति प्रकार : Land_Area, Built_Up_Area, Carpet Area, सम्पत्ति क्षेत्रफल : 5671.00, 2199.00, 1759.00	रु. 550758/- रुपये पांच लाख पचास हजार सात सौ अठावन केवल	15-09-2025	19/03/2026
श्री ज्योति राम श्रीमती रामप्यारी एग्रीकल्चर (प्रोस्पैक्ट नं. IL10790427)	गांव शकरपुरा का लाल डोरा, तहसील जाखल, जिला फतेहाबाद, हरियाणा, भारत-125106 में स्थित एलजीडी आईडी नं. 060351 और यू.आई.डी. नं. 603251WSMM2S00R0085A वाला प्लॉट/मकान। क्षेत्रफल माप (वर्गफुट में): सम्पत्ति प्रकार : Land_Area, Built_Up_Area, Carpet Area, सम्पत्ति क्षेत्रफल : 2158.00, 1163.00, 988.00	रु. 554475/- रुपये पांच लाख चव्वन हजार चार सौ पचहत्तर केवल	09-09-2025	19/03/2026

अधिक विवरण हेतु कृपया प्राधिकृत अधिकारी से शाखा कार्यालय : एसकरनाल - एससीओ-408, जीएफ, मुगल कैनाल, करनाल, हरियाणा-132001 अथवा कॉर्पोरेट कार्यालय : प्लॉट नं. 98, फेज-IV, उद्योग विहार, गुड़गांव, हरियाणा में सम्पर्क करें।

स्थान : हरियाणा, दिनांक : 23.03.2026 हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी, कृते आईआईएफएल होम फाइनैंस लि.

रोहतक
सोमवार 23 मार्च 2026
चैत्र मास शुक्ल पक्ष,
पंचमी वर्ष : 30, अंक : 47
पृष्ठ 12 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 30.8
न्यून. 12.3

हरिभूमि
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

शहीद दिवस आज

खबर संक्षेप

जेईई मेन सत्र-2 के शेड्यूल में बदलाव

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने जेईई मेन सत्र-2 की परीक्षा तारीखों में बदलाव कर दिया है। साथ ही, परीक्षा के लिए सिटी इंटिमेशन स्लिप भी जारी कर दी गई है। अब सत्र-2 की परीक्षाएं 2 अप्रैल से 8 अप्रैल 2026 के बीच आयोजित होंगी। यह परीक्षा दो शिफ्ट में ली जाएगी। पहले यह परीक्षा 2 अप्रैल से 9 अप्रैल तक होनी थी, लेकिन अब तारीखों में संशोधन किया गया है। नई तारीखों के अनुसार बीई और बीटेक (पेपर 1) की परीक्षाः 2, 4, 5, 6 और 8 अप्रैल को होगी।

सोनम वांगचुक 6 महीने बाद पहुंचे लेह

लेह। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक रविवार को 6 महीने (करीब 170 दिन) बाद लेह पहुंचे। केंद्र ने 14 मार्च को वांगचुक पर लगा नेशनल सिक्युरिटी एक्ट (एनएसए) हटाया था। इसके बाद उन्हें जोधपुर जेल से रिहा किया गया था। लेह में उनके लिए स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें वांगचुक के सैकड़ों समर्थक पहुंचे। वांगचुक ने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा- जिस मकसद के लिए हम काम कर रहे हैं, उसके लिए एक नया सूरज उगेगा। हम उम्मीद के साथ आगे बढ़ रहे हैं। *एजेंसी*

ट्रंप बोले-48 घंटे में होर्मुज खोले ईरान तेहरान ने कहा-सिर्फ दोस्तों के लिए खुला

ट्रंप की धमकी के बाद ईरान ने इजराइल पर दागीं मिसाइलें, तनाव और बढ़ा

एजेंसी ▶▶| तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर नई सियासी और सैन्य हलचल तेज हो गई है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर धमकी देते हुए लिखा कि अगर 48 घंटे के भीतर होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट पर हमला करेगा। शुरुआत सबसे बड़े प्लांट से होगी। वहीं, ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके पावर प्लांट को निशाना बनाया गया, तो वह मिडिल ईस्ट में अमेरिका और इजराइल से जुड़े सभी ऊर्जा ढांचों पर हमला करेगा। इसके साथ-साथ ईरान ने साफ कर दिया है कि वह इस अहम समुद्री रास्ते को पूरी तरह बंद नहीं करेगा, लेकिन दुश्मन देशों के लिए इसे सीमित कर सकता है। सिर्फ दोस्तों के लिए होर्मुज खुला रहेगा। ईरान के प्रतिनिधि अली मौसवी ने कहा है कि विदेशी जहाज होर्मुज से गुजर सकते हैं, लेकिन उन्हें ईरान के साथ समन्वय करना होगा। उन्होंने यह भी साफ किया कि यह रास्ता सिर्फ उन देशों के लिए खुला रहेगा जो ईरान के विरोधी नहीं हैं। उनका कहना है कि मौजूदा तनाव की जड़ अमेरिका और इस्राइल की सैन्य कार्रवाई है, जिससे खाड़ी क्षेत्र में हालात बिगड़े हैं। अमेरिका की धमकी के बाद ईरान ने इजराइल पर रविवार सुबह से 4 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इन हमलों में 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

ईरान की चेतावनी, हमारे बिजली घरों पर हमला किया तो परमाणु ठिकानों को ध्वस्त कर देंगे

पश्चिम एशिया में सियासी और सैन्य हलचल हुई तेज

यूएस ने कहा होर्मुज न खोला तो पावर प्लांट पर हमला करेंगे

ईरान बोला- ब्रिक्स देश हमला रोकने में रोल निभाएं

ईरान के राष्ट्रपति मसूज पजशकियान ने एक दिन पहले शनिवार को पीएम मोदी से फोन पर बात की थी। इस दौरान उन्होंने कहा कि ब्रिक्स को ईरान पर हो रहे हमले रोकने में भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स को बिना किसी दबाव के, अपने दम पर काम करना चाहिए और इस मामले में आगे आना चाहिए। ईरान के राष्ट्रपति ने यह भी सुझाव दिया कि मिडिल ईस्ट के देशों को मिलकर एक नया सुरक्षा सिस्टम बनाना चाहिए। इससे इलाके में शांति और स्थिरता बनी रहेगी और बाहर के देशों का दखल कम होगा।

अमेरिका का दावा- ईरान की मिसाइल फैक्ट्री तबाह

अमेरिका ने दावा किया है कि उसने इस महीने की शुरुआत में ईरान की एक मिसाइल फैक्ट्री को तबाह कर दिया। यूएस सेंट्रल कमांड के मुताबिक, इस जगह पर स्मॉल और मिडिल रेंज की बैलिस्टिक मिसाइलें बनाई जा रही थीं। अमेरिका ने इस जगह का नाम 'कुह-ए बरजमाली मिसाइल असेंबली फैसिलिटी' बताया है, जो तेहरान के दक्षिण-पूर्व में पहाड़ियों के इलाके में स्थित है। अमेरिका ने इस हमले से पहले और बाद की सैटेलाइट तस्वीरें भी जारी की हैं, जिनमें फैक्ट्री को नुकसान दिखाया गया है।

अमेरिका से एलपीजी रूस से क्रूड लेकर भारत पहुंचा शिप

बेंगलुरु। अमेरिका के टेक्सास से लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर एक कार्गो शिप रविवार को मेंगलुरु पोर्ट पर पहुंच गया है। वहीं, रूस से एक जहाज क्रूड लेकर भारत आया। पिछले 7 दिनों में करीब पांच जहाज गैस-कच्चा तेल लेकर समुद्र के रास्ते भारत पहुंचे।

पश्चिम एशिया के हालात पर पीएम ने की हाई लेवल बैठक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग के कारण पश्चिम एशिया में बने संघर्ष के हालात पर हाई लेवल मीटिंग हुई। पीएम आवास पर आयोजित बैठक में 3.30 घंटे तक पेट्रोलियम, कच्चा तेल, गैस, बिजली और फर्टिलाइजर्स की स्थिति को लेकर चर्चा की गई। मीटिंग में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी शामिल हुईं।

गुरुग्राम में शहरी आवास योजना के तहत किया आवंटन

सीएम ने 2709 लाभार्थियों को सौंपी घर की चाबियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुरुग्राम

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने में हरियाणा अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत यह विजन 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है, जिसे जमीन पर उतारने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम के बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र के काकरौला में आयोजित विकसित बादशाहपुर महारैली एवं मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के आवास आबंटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 2709 लाभार्थियों को उनके आवास की चाबियां सौंपी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जो क्षेत्र कभी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरसते थे, आज वही विकास की नई मिसाल बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह बदलाव इस बात का प्रमाण है कि सरकार ने केवल वादे नहीं किए, बल्कि उन्हें पूरी प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर उतारकर दिखाया है।

81 में से 60 घोषणाएं सरकार कर चुकी पूरी

उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में सरकार ने राजनीति को सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का सशक्त साधन माना है। बादशाहपुर हलके के विकास को गति देने के लिए बीते साढ़े 11 वर्षों में कुल 81 सीएम अनाउंसमेंट की गईं, जिनमें से 60 पूरी हो चुकी हैं और 8 पर कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि इस अवधि में बादशाहपुर क्षेत्र में 15,166 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं लागू की गईं। इसके विपरीत, पूर्ववर्ती सरकार के 10 वर्षों के शासनकाल में यहां केवल 967 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए थे। उन्होंने कहा कि यह अंतर वर्तमान सरकार की प्रतिबद्धता और विकास के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण को दर्शाता है।

फरूखनगर-गुरुग्राम मार्ग होगा फोरलेन

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि फरूखनगर-गुरुग्राम मार्ग को लगभग 365 करोड़ रुपये की लागत से फोर-लेन किया जाएगा, जिसमें चंदू बाईपास का निर्माण भी शामिल है। इसी प्रकार गांव बुढ़ेड़ा में लगभग 65 लाख रुपये की लागत से एक आधुनिक सामुदायिक केंद्र का निर्माण कराया जाएगा। न्यू गुरुग्राम के सेक्टरों में 24 मीटर चौड़ी सड़कों की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां भी संभव होगा, सड़कों को 24 मीटर तक चौड़ा किया जाएगा।

प्रेग्नेंसी में वर्क फ्रॉम होम नहीं दिया, 200 करोड़ का जुर्माना

डिलीवरी के बाद बच्चे की मौत हुई
●
अमेरिकी कोर्ट ने कहा- कंपनी जिम्मेदार

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के ओहायो में प्रेग्नेंट महिला को वर्क फ्रॉम होम की अनुमति न देने के मामले में कोर्ट ने कंपनी पर 2.25 करोड़ डॉलर (200 करोड़) का जुर्माना लगाया है। महिला को ऑफिस आने की मजबूरी की वजह से समय से पहले डिलीवरी हुई थी। जिससे नवजात की कुछ घंटों में ही मौत हो गई थी। कोर्ट ने माना कि अगर महिला को घर से काम करने दिया जाता, तो स्थिति अलग हो सकती थी। इसी आधार पर कंपनी पर यह जुर्माना लगाया गया।

बिना सैलरी छुट्टी का ऑप्शन दिया

चेल्सी वॉल्श नाम की महिला टोटल क्वालिटी लॉजिस्टिक्स अमेरिकी कंपनी में काम करती थीं। फरवरी 2021 में उन्होंने वर्क फ्रॉम होम की इजाजत मांगी थी। कंपनी ने उन्हें ऑफिस आकर काम करने या बिना सैलरी छुट्टी लेने का ऑप्शन दिया, जिससे उनकी इनकम और हेल्थ इंश्योरेंस पर असर पड़ता। मजबूरी में उन्हें 22 फरवरी से ऑफिस जाकर काम करना पड़ा।

छत्तीसगढ़-खल्लारी मंदिर में टूटा रोपवे, दो ट्रॉलियां खाई में गिरी

महासमुंद (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के प्रसिद्ध खल्लारी माता मंदिर में रोपवे टूटने से 16 श्रद्धालु घायल हो गए, जबकि एक युवती की मौत हो गई। घायलों में 4 की हालत गंभीर है। यह सभी लोग चैत्र नवरात्रि के चौथे दिन दर्शन करने आए थे। दर्शन के बाद कुछ श्रद्धालु रोपवे की ट्रॉली से नीचे उतर रहे थे। तभी अचानक केबल टूट गया। ट्रॉली पहाड़ी से टकराई और उसमें बैठे लोग करीब 20 फीट नीचे गिर गए। इसी दौरान ऊपर जा रही दूसरी ट्रॉली भी संतुलन खोकर गिर गई। उसमें बैठे लोग भी घायल हो गए।

एक की मौत, 16 घायल, करीब 20 फीट ऊंचाई से नीचे गिरे

नवरात्रि पर दर्शन के लिए पहुंचे थे

महिला की लाश के साथ 13 घंटे उड़ता रहा विमान

लंदन। ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट में रविवार को एक महिला यात्री की टेकऑफ के करीब एक घंटे बाद मौत हो गई। इसके बाद उनका शव पूरे 13 घंटे तक विमान में ही रखा रहा। शव को विमान के पीछे वाले हिस्से में रखा गया था, जहां फर्श गर्म था। इसी वजह से धीरे-धीरे बदबू फैलने लगी, जिससे पीछे बैठे यात्रियों को काफी परेशानी हुई। यह घटना हॉन्गकॉन्ग से लंदन जा रही फ्लाइट में हुई। महिला की उम्र करीब 60 साल थी।

हॉन्गकॉन्ग से लंदन उड़ान में टेकऑफ के बाद मौत हुई

100 करोड़ से ऊपर सभी योजनाओं की होगी जांच

नई दिल्ली (हरिभूमि न्यूज)। देश में बढ़ती लागत और अनियमितताओं की आशंकाओं के बीच केंद्र ने जल जीवन मिशन के तहत चल रही बड़ी परियोजनाओं पर सख्ती बढ़ा दी है। अब 100 करोड़ या उससे अधिक लागत वाली परियोजनाओं की गहन जांच की जाएगी। सरकार राज्यों को फंड जारी करने से पहले इन परियोजनाओं की लागत और कार्यप्रणाली की समीक्षा करेगी। इस कदम का उद्देश्य योजनाओं को अधिक पारदर्शी बनाना है।

जल जीवन मिशन को लेकर केंद्र सरकार ने बढ़ाई सख्ती

खर्च कटौती का तरीका, पाक लीग में दर्शकों की एंट्री बैन

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान ने खर्च कटौती अभियान के तहत अब पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 में दर्शकों की स्टेडियम में एंट्री नहीं होगी। इसके साथ ही टूर्नामेंट के सभी मैच सिर्फ लाहौर और कराची में खेले जाएंगे। 26 मार्च से शुरू होने वाली लीग की ओपनिंग सेरेमनी भी रद्द कर दी गई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने बताया कि इस पर प्रधानमंत्री और सुरक्षा एजेंसियों के साथ चर्चा के बाद निर्णय लिया गया।

ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी, टूर्नामेंट 2 शहरों में होगा

उपलब्धि सीएम-पीएम मिलाकर बतौर हेड ऑफ गवर्नमेंट 8931 दिन पूरे

पवन कुमार चामलिंग को पीछे छोड़ा, लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे

मोदी सबसे ज्यादा दिन सरकार प्रमुख रहने वाले राजनेता बने

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने वाले नेता बन गए हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर सरकार के प्रमुख के रूप में 8,931 दिन पूरे करने के साथ ही पीएम मोदी ने चामलिंग के 8,930 दिनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग को पीछे छोड़ दिया है। पीएम मोदी इससे पहले गुजरात के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री रह चुके हैं, और वे ऐसे प्रधानमंत्री भी हैं जिनके पास मुख्यमंत्री के तौर पर काम करने का सबसे लंबा अनुभव है।

मोदी 4 बार गुजरात के सीएम 3 बार प्रधानमंत्री बने

17 सितंबर को जन्मे नरेंद्र मोदी 6 साल की उम्र में ही कांग्रेस की ओर से महागुजरात आंदोलन का हिस्सा बने। फिर 8 साल की उम्र में आरएसएस से जुड़ गए थे। 7 अक्टूबर 2001 को 51 साल की उम्र में बिना विधायक बने ही मोदी गुजरात के 14वें मुख्यमंत्री बने। इसके बाद वे 2002 में, 2007 में और फिर 2012 में गुजरात के मुख्यमंत्री चुने गए। अपने राजनीतिक सफर के 24 सालों में से पीएम मोदी 14 साल गुजरात के मुख्यमंत्री रहे। पिछले 11 साल से वे देश के प्रधानमंत्री हैं। यह उनका तीसरा कार्यकाल है।

2025 में मोदी ने बतौर पीएम इंदिरा गांधी का रिकॉर्ड तोड़ा

नरेंद्र मोदी भारत के लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले दूसरे पीएम भी हैं। वे पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 4077 दिनों (24 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1977) का रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। 22 मार्च 2026 तक बतौर प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी 4318 पूरे कर चुके हैं। हालांकि सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड जवाहरलाल नेहरू के नाम है। वे 15 अगस्त 1947 से 27 मई 1964 तक यानी लगातार कुल 6126 दिन तक इस पद पर रहे। पीएम मोदी नेहरू के रिकॉर्ड से 1812 दिन पीछे हैं। रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 2029 के बाद भी पीएम रहना पड़ेगा।

नवरात्र पर विशेष

पंचम-स्कंदमाता

सर्वशक्तिमान, ममतामयी मां स्वरूपा भगवती दुर्गा का पांचवां रूप स्कंदमाता के रूप में प्रतिष्ठित है। अपने ब्रह्मचारिणी स्वरूप में देवी ने तपस्या करके भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया। भगवान शिव और शक्ति के पुत्र के रूप में स्कंद का जन्म हुआ, जिन्होंने देवताओं की सेना का संचालन किया। देवताओं के सेनापति सनत कुमार की माता के रूप में देवी का स्कंदमाता स्वरूप ममतामयी और मनमोहक है। देवी की गोद में स्कंद विराजमान हैं, देवी की चार भुजाएं और तीन नेत्र हैं। शुभ्रवर्णी देवी पदम पर विराजमान हैं। सिंह इनका वाहन है। स्कंदमाता की पूजा करने वाले भक्तों का मन सांसारिक मोहमाया के बंधनों से दूर रहता है। स्कंदमाता की आराधना का मंत्र है-

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कंदमाता यशस्विनी॥

पानीपत में खंडहर मकान से मिला कंकाल

पानीपत। पानीपत के हुडा सेक्टर 13 के वृंदा एंक्लेव के पास खंडहरनुमा मकान के अंदर से पुलिस ने मानव कंकाल बरामद किया है। वहीं हुडा सेक्टर 13- 17 थाना पुलिस व एफएसएल की टीम ने घटनास्थल व कंकाल की जांच की । कंकाल के निचले हिस्से में नीली जींस पहनी हुई है। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने कंकाल का पंचनामा पर पोस्टमार्टम के लिए पानीपत के सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। कंकाल महिला का या किसी पुरुष का है, हत्या कर शव को खंडहर में फेंका गया था या मौत की अन्य कोई वजह है इसकी पुलिस जांच कर रही है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सबक : गिरोह से घबराने की जगह बुजुर्ग ने कॉल रिकॉर्ड कर पुलिस को सौंपी

बुजुर्ग पर रेप का झूठा केस करवा हनी ट्रैप में फंसा 5 लाख लिए, 2 महिलाओं समेत 4 काबू

- पुलिस ने एक लाख रुपये नकद लेते हुए चार आरोपियों को रंगेहाथ किया काबू, वकील भी है एक आरोपी, दो बाइक, 6 मोबाइल और चार लाख रुपये का चेक बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

बेटे के लिए किराए का कमरा देखना एक 62 वर्षीय बुजुर्ग को महंगा पड़ गया। कमरा दिखाने वाली महिला ने बुजुर्ग के खिलाफ दुराचार और छेड़खानी करने का महिला थाने में केस दर्ज करवा दिया। बाद में बुजुर्ग के बेटे की शिकायत पर जांच हुई तो पीड़िता महिला हैनी ट्रैप की आरोपी मिली। इन्होंने पांच लाख रुपये मांगे थे। पुलिस ने एक लाख रुपये नकद लेते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में विक्रम पुत्र जसवीर निवासी भिवानी तथा मनोज कुमार पुत्र भागीरथ निवासी बृजवासी कॉलोनी भिवानी शामिल हैं। आरोपी मनोज कुमार अधिवक्ता है। इनके अलावा दो महिला आरोपी भी गिरफ्तार की गई हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 20 मार्च को बापौड़ा गांव के बुजुर्ग अपने बेटे के लिए किराए का कमरा देखने के लिए भिवानी आए। बुजुर्ग ने किसी से मिले एक नंबर पर फोन कर कमरे के बारे में पूछा तो एक महिला ने बताया कि वह फिलहाल महम में है और उसे कमरे किराए पर देने हैं। मुझे महम से लेने के लिए आ जाओ। बुजुर्ग महिला पर विश्वास करके महम पहुंच गए और अपनी गाड़ी में बैठाकर भिवानी ले आए। वह महिला बाहरी कॉलोनो में बुजुर्ग को अपने साथ एक कमरे में ले गई। बापौड़ा निवासी बुजुर्ग के अनुसार महिला ने कमरे में घुसते ही उसको व खुद को कमरे में बंद कर लिया। बुजुर्ग भी समझ गए कि उनके साथ कोई अनहोनी होने वाली है। वह जैसे-तैसे करके कमरे की कुंडी खोलकर बाहर निकल आए। कुछ देर बाद महिला ने बुजुर्ग के पास फोन करके कहा कि मुझे दो लाख रुपये दे दो नहीं तो वह थाने में केस दर्ज करवाएगी। बुजुर्ग ने उस महिला की कॉल को रिकार्डिंग कर लिया और अपने बेटे के पास भेज दी।

पुलिस हिरासत में लिए गए दो युवक व दो महिलाएं।

रंगेहाथ पकड़ने के लिए बिछाया जाल

पीड़ित बुजुर्ग के बेटे ने थाने में शिकायत देकर बताया कि एक महिला ने उसके पिता पर झूठा आरोप लगाया है और अब रुपये मांग रही है। पुलिस ने इस बारे में एसपी व उपायुक्त को सूचित किया और इयूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करवाया। पीड़ित बुजुर्ग ने आरोपी महिला से सम्पर्क किया और बासिया भवन के पास बुलाया। उस वक्त दो बाइकों पर दो महिला व दो पुरुष सवार थे। बुजुर्ग ने आरोपी महिला को एक लाख रुपये की राशि दे दी। पुलिस द्वारा गठित टीम ने तत्काल आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छह मोबाइल फोन, चार लाख रुपये का चेक, एक लाख रुपये नकद तथा दो बाइक बरामद की है।

मेडिकल करवाने से बचती रही महिला

डीएसपी मुख्यालय महेश कुमार ने बताया कि उक्त महिला ने महिला थाने में दुष्कर्म व छेड़खानी का आरोप लगाकर केस करवाया था। इस दौरान थाना प्रभारी ने महिला से कहा कि उसका मेडिकल करवाया जाएगा और अदालत में 164 के तहत बयान दर्ज करवाने होंगे। वह महिला इन दोनों कार्यों के लिए टालमटोल करती रही। इसी दौरान महिला ने फिर से बुजुर्ग से सम्पर्क साधकर मामले को रफा दफा करने के लिए चार लाख रुपये का चेक ले लिया और एक लाख रुपये नकद की भी मांग करने लगी।

80 वर्षीय बुजुर्ग को एक सप्ताह तक डिजिटल अरेस्ट कर एक करोड़ रुपये ठगे

जींद। साइबर ठगों ने एक 80 वर्षीय वृद्ध को डिजिटल अरेस्ट कर उनसे लगभग एक करोड़ रुपये ठग लिए। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने पीड़ित वृद्ध की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। सफीदों की आदर्श बस्ती निवासी हवा सिंह मार्केटिंग सोसायटी से सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। गत 12 मार्च को साइबर ठगी करने वाले लोगों ने उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर लिया और उन्हें कहा कि उनके खिलाफ केस दर्ज है और उनके खाते में मनी लॉन्ड्रिंग का पैसा आया हुआ है। उन्होंने कहा कि उनके पास जितने भी पैसे हैं वह एक बार उन्हें ट्रांसफर कर दें। यह पैसा उनके पास सुरक्षित रहेगा और इस मामले का निपटारा होने के बाद यह पैसा उन्हें वापस कर दिया जाएगा। साइबर ठगी करने वाले लोगों ने हवा सिंह को स्पष्ट तौर पर बताया कि उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया जा रहा है और वह उनकी निगरानी में रहेंगे। बुजुर्ग हवा सिंह साइबर ठगों के झांसे में आ गए और उन्होंने 98 लाख 25 हजार रुपये उनके कहे अनुसार उनके खाते में ट्रांसफर कर दिए। हवा सिंह ने बताया कि उन्हें 12 मार्च से लेकर 19 मार्च तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा। जब ठगी का अहसास हुआ तो केस दर्ज करवाया।

कुरुक्षेत्र के तीन युवक एजेंटों के जाल में फंसे

स्पेन भेजने का झांसा देकर उज्बेकिस्तान में अपहरण करवा 45 लाख वसूले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

जिले में तीन युवकों को स्पेन भेजने का झांसा देकर एजेंट ने उज्बेकिस्तान में उनका अपहरण करवा दिया। यहां अपहरणकर्ताओं ने 3 दिन तक उनको हाथ-पांव बांधकर रखा और प्रताड़ित किया। उन्होंने प्रताड़ना की वीडियो दिखाकर परिवार से 45 लाख रुपये की फिरौती मांगी। अपहरणकर्ताओं में से बाबा खान ने परिवार को वीडियो कॉल पर धमकाया कि उन्होंने एजेंट से इन तीनों को खरीदा है। अगर उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो उनके बच्चों को मार देंगे। आरोपी एजेंट ने भी पैसे देने की बात कही। परिवार से 45 लाख रुपये की फिरौती वसूलने के बाद अगले दिन तीनों को छोड़ा गया। एजेंट ने उज्बेकिस्तान से स्पेन का वीजा लगवाने का भरोसा दिया था। पीड़ितों में सुनील का बेटा मोहन लाल, कुलदीप का बेटा बहादुर सिंह ओर सोमप्रकाश का बेटा मनदीप है। तीनों कुरुक्षेत्र के रहने वाले हैं।

सुनील कुमार, कुलदीप सिंह और सोम प्रकाश ने बताया कि एजेंट प्रेम सैनी, उसकी पत्नी अनीता रानी और उनके साथी अकरम खान व अली ने उनके तीनों बच्चों से 15-15 लाख रुपये मांगे थे। इसमें 2-2 लाख एडवांस, बाकी पेमेंट स्पेन पहुंचने पर देना तय हुआ था। आरोपी एजेंट ने जनवरी 2026 में पासपोर्ट के साथ तीनों परिवार से 2-2 लाख रुपये एडवांस लिए। पैसे लेकर आरोपी एजेंट ने बच्चों के जाने का रूट बदल दिया। आरोपी ने आश्वासन दिया कि सीधे स्पेन नहीं जा सकते। पहले उज्बेकिस्तान, फिर अजरबैजान और उसके बाद उनको स्पेन भेजा जाएगा।

जाने से पहले दिलाते रहे सुरक्षा का भरोसा

आरोपी ने 9 फरवरी को उज्बेकिस्तान का वीजा दिया और 16 फरवरी को फ्लाइट करवा दी। 15 फरवरी की शाम को परिवार तीनों को लेकर दिल्ली के महिपालपुर होटल पहुंचे। यहां एजेंट अकरम खान और अली ने उन्हें सुरक्षित यात्रा का पूरा भरोसा दिलाया। 16 फरवरी शाम 4 बजे तीनों युवक उज्बेकिस्तान पहुंच गए। एयरपोर्ट पर अकबर खान और दानिश खान नाम के दो लोग आए। उन्होंने एजेंट प्रेम सैनी, अकरम और अली का हवाला दिया और अपने साथ लेकर चले गए। दो दिन बाद 18 फरवरी को युवकों का फोन उनके पास आया और उन्हें अपहरण होने का पता चला। इसके बाद 45 लाख रुपये देकर उन्हें छुड़वाया और वे वापस घर आ सके। वापस आकर उन्होंने आरोपी एजेंट से अपने पैसे वापस मांगे, लेकिन उन्होंने पैसे देने से साफ इनकार कर दिया। अब शिकायत पर पुलिस ने थाना कृष्णा गेट में आरोपी एजेंट पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

फर्जी फूड सेफ्टी अधिकारी बनकर होटल संचालक से 25 हजार ऐंठे

- होटल में आते ही आरोपी गिनवाने लगे खामियां, सील करवाने का डर दिखाकर पैसे ठगे, अगले दिन 50 हजार रुपये और तैयार रखने को कहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुलाना

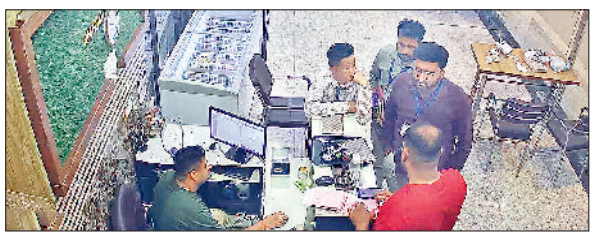

मुलाना। सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए आरोपी। फोटो : हरिभूमि

नेशनल हाईवे 344 पर गांव ब्राह्मण माजरा स्थित एक होटल में फर्जी फूड सेफ्टी अधिकारी बनकर दो युवकों द्वारा होटल संचालक से ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपी होटल पहुंचे और होटल में खामियां निकालने लगे। साथ ही होटल सील करने की धमकी देने लगे। इसी का डर दिखाकर आरोपियों ने होटल संचालक से 25 हजार रुपये ऐंठ लिए । पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ता गौरव शर्मा ने पुलिस को बताया कि वह नेशनल हाइवे पर अपने मून ढाबा रेस्टोरेंट पर मौजूद था। शिकायत के अनुसार 14 मार्च की रात करीब 10 बजे दो युवक कार में सवार होकर होटल पर पहुंचे। दोनों ने अपने गले में आईडी कार्ड लटकाए हुए थे और खुद को फूड सेफ्टी विभाग का अधिकारी बताया। आईडी कार्ड में उनका नाम शुभम और गौरव लिखा था । आरोप है कि उन्होंने होटल की जांच के नाम पर खामियां निकालनी शुरू कर दीं। होटल को सील करने की धमकी दी। गौरव शर्मा ने आरोप लगाया कि दोनों युवक शराब के नशे में थे। उन्होंने डरा-धमकाकर उससे 25 हजार रुपये वसूल लिए। जाते समय आरोपियों ने अपना एक मोबाइल नंबर भी दिया और धमकी दी कि अगले दिन फिर आएंगे इसलिए 50 हजार रुपये और तैयार रखे जाएं, अन्यथा होटल को सील कर दिया जाएगा।

शिकायत में यह भी बताया गया कि होटल से निकलने के बाद दोनों आरोपी सामने स्थित एक दुकान सेवन-24 पर गए जहां काम कर रहे युवक को भी धमकाकर पैसे मांगने की कोशिश की। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई।

हिसार में सात हजार रुपये रिश्वत लेते सब इंस्पेक्टर रंगे हाथों गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने शहर के एचटीएम थाना के सब इंस्पेक्टर नेहरा सिंह को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी ने नेहरा सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है।

एंटी करप्शन ब्यूरो के सूत्रों ने बताया कि सब इंस्पेक्टर नेहरा सिंह एचटीएम थाने में तैनात था। उसके पास शिव नगर निवासी सोमनाथ व उसके भाई का कोई मामला था। इस मामले में सोमनाथ की जमानत हो चुकी थी जबकि उसके भाई की जमानत पर सुनवाई हाल ही में होनी है। एंटी करप्शन ब्यूरो को दी शिकायत में सोमनाथ ने कहा कि नेहरा सिंह उससे 10 हजार रुपये मांग रहा है और बदले में नेहरा सिंह ने कहा कि वह उसके भाई की जमानत में टांग नहीं अड़ाएगा। बाद में वह सात हजार रुपये में मान गया। सोमनाथ की शिकायत के बाद एंटी करप्शन ब्यूरो की एसपी सुमेधा सिंह ने सिरसा की टीम को इंस्पेक्टर सत्यवान शर्मा व सब इंस्पेक्टर सुरेश के नेतृत्व में एचटीएम थाने भेजा। जैसे ही सब इंस्पेक्टर नेहरा सिंह ने सोमनाथ से सात हजार रुपये लिए तो ब्यूरो की टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथ दबोच लिया। पकड़े गए सब इंस्पेक्टर को सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

पुराने सिक्कों की कीमत लगाई 1.86 करोड़, झांसे में लेकर 1.04 लाख ठगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

पुराने सिक्के और दुर्लभ नोटों को ऊंचे दामों पर बेचने का लालच एक दुकानदार को भारी पड़ गया। फतेहाबाद जिले के टोहाना में एक कन्फेक्शनरी शॉप संचालक से शातिर ठगों ने करोड़ों रुपये कमाने का झांसा देकर एक लाख 4 हजार 549 रुपये की ठगी कर ली। ठगों ने पीड़ित के पास मौजूद पुराने सिक्कों की कीमत 1.86 करोड़ रुपये आंकी थी। अब साइबर थाना पुलिस ने रविवार को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, टोहाना के किला मोहल्ला निवासी जितेंद्र कुमार के पास कुछ पुराने नोट और सिक्के जमा थे। उन्होंने फेसबुक पर पुराने सिक्कों की खरीद-फरोख्त से संबंधित एक विज्ञापन देखा और दिए गए नंबर पर संपर्क किया। जितेंद्र ने अपने सिक्कों और नोटों की तस्वीरें व्हाट्सएप के जरिए आरोपियों को भेजी। आरोपियों ने जितेंद्र को झांसा दिया कि उनके सिक्कों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 1 करोड़ 86 लाख 55 हजार रुपये है। शुरुआत में विश्वास जीतने के लिए उनसे फाइल चार्ज के नाम पर मात्र 350 रुपये लिए गए और एक फर्जी आईकार्ड बनाकर भेजा गया। ठगों ने वादा किया कि 24 घंटे के भीतर पेमेंट उनके घर पहुंच जाएगी।

हिसार आने की बात कहकर ठगा

5 मार्च की सुबह ठगों ने जितेंद्र को फोन किया और कहा कि वे पेमेंट लेकर हिसार एयरपोर्ट पहुंच चुके हैं और वहां से उनके घर की दूरी मात्र 70 किलोमीटर है। इसके बाद ग्रीन कार्ड बनाने और अन्य कागजी कार्रवाई के नाम पर पैसों की मांग शुरू हुई। ठगों ने जितेंद्र को इस कदर अपने जाल में फंसाया कि उन्होंने अलग-अलग समय पर कई ट्रांजेक्शन करवा लिए। सबसे पहले क्यूआर कोड भेजकर 2000 और 5000 रुपये मंगवाए। इसके बाद रिफंड का झांसा देकर 7150 रुपये, 16000 रुपये और 20000 रुपये ट्रांसफर करवाए। सिलसिला यहीं नहीं रुका, शातिरों ने 9,999 रुपये, 22,400 रुपये और फिर 6 मार्च को दोबारा 22,000 रुपये अपने खातों में डलवा लिए। जब बार-बार पैसे भेजने के बावजूद जितेंद्र के पास कोई पेमेंट नहीं पहुंची और आरोपियों ने फोन उठाना बंद कर दिया, तब उन्हें ठगी का अहसास हुआ। जितेंद्र ने तुरंत इसकी ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। साइबर थाना पुलिस ने पीड़ित के बयानों के आधार पर केस दर्ज कर लिया है और आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

राशिफल

मेष मन अशान्त रहेगा। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों के साथ वाद-विवाद से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष मन परेशान रहेगा। आत्मसंयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि होगी।

मिथुन मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। नौकरी में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

कर्क मन अशान्त रहेगा। मन में निराशा एवं असन्तोष भी हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा, परन्तु कुछ कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित रहें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है।

कन्या नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है। आवेश के अतिरेक से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। सहयोग मिलेगा।

तुला आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु मन अशान्त हो सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है।

वृश्चिक मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के क्रोध से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। खर्चों में वृद्धि होगी।

धनु व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। विदेशी कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

मकर आत्म संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च बढ़ेंगे।

कुंभ आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव भी रहेगा। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। पिता का साथ मिल सकता है।

मीन अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

राज्यसभा चुनाव के बाद प्रदेश में गरमाई हुई है राजनीति, कांग्रेस में चल रही अंदरूनी कलह

विधायक मो. इसराइल के बेटे ने क्रॉस वोटिंग से नाराज हो पिता से तोड़ा नाता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के आरोपों में घिरे हथीन से कांग्रेस विधायक मोहम्मद इसराइल को इस घटनाक्रम में अब परिवार के भीतर भी विरोध झेलना पड़ रहा है। उनके बेटे नाजिम चौधरी ने कहा कि पिता ने विश्वासघात किया है, मैं उनके साथ रिश्ता तोड़ रहा हूं। नाजुक हालात को देखते हुए विधायक इसराइल की सुरक्षा अचानक बढ़ा दी गई है। बता दें कि कांग्रेस विधायक इसराइल को कारण बताओ नोटिस जारी कर चुकी है। नाजिम यूथ कांग्रेस में प्रदेश सचिव हैं। एक इंटरव्यू में नाजिम ने कहा कि मैं कांग्रेस का सच्चा सिपाही हूं। हमेशा पार्टी के साथ रहूंगा। पिता ने क्रॉस वोटिंग कर कांग्रेस के साथ विश्वासघात किया है।

हुड्डा के घर आने के बाद विधायक वत्स बोले सिस्टम से नाराजगी थी, कांग्रेस से नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

राज्यसभा चुनाव के बाद बादली से विधायक कुलदीप वत्स की नाराजगी की खबरों के बीच पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा रविवार को उनके घर पहुंचे और वार्ता की। हुड्डा से मिलने के उपरांत विधायक कुलदीप वत्स के तेवर नरम दिखाई दिए। कार्यकर्ताओं से उन्होंने कहा कि उनकी नाराजगी सिस्टम से थी, न कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा और दीपेंद्र सिंह हुड्डा से। उन्होंने कहा कि भूपेंद्रसिंह हुड्डा उनके पिता के समान हैं और उनके परिवार के मुखिया हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग दिल्ली में उच्च पदों पर बैठकर हरियाणा में कांग्रेस को नुकसान कर रहे हैं। जिसको लेकर उन्होंने नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वालों के नाम सार्वजनिक करने की मांग की थी, जिसे पूरा कर दिया गया है। वहीं, ईमेल के माध्यम से पार्टी को भेजी गई अन्य मांगों पर भी कार्रवाई करने का आश्वासन मिला है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के भी कुछ लोग उन्हें बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं।

ब्राह्मण सभा का फैसला शादी में डीजे पर रोक लगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

शादी समारोहों व अन्य आयोजनों में चली रही कुछ रीतियों को बंद करने को लेकर रविवार को जिला फरीदाबाद ब्राह्मण सभा ने अनाज मंडी बल्लभगढ़ स्थित ब्राह्मण भवन में एक पंचायत का आयोजन किया। इस पंचायत में काफी संख्या में गांव व शहर के मौजिज नागरिक मौजूद रहे। पंचायत में जिला फरीदाबाद ब्राह्मण सभा के प्रधान बृजमोहन बाति ने कहा कि शादी समारोहों में डीजे रंग में भंग डालने का काम करता है। इसलिए शादी समारोहों में डीजे बंद होना चाहिए। उन्होंने कहा कि लगन सगाई में जो दहेज के सामान की लिस्ट पढ़ने की परंपरा है वह बंद होनी चाहिए। आज के दौर में लगन व सगाई समारोह में सत्कार के तौर पर सीमित लोगों को चद्दर देने की परंपरा शुरू हुई है, वह बंद होनी चाहिए। शादी, भात और छूछक में आने वालों की संख्या सीमित रखें। शादी, लगन, सगाई, भात व छूछक मे खर्चा लेने की प्रथा बंद हो। शादी में सभी को परोसा देने का चलन शुरू है। यह परंपरा सिर्फ रिश्तेदारों तक सीमित होनी चाहिए।

शब्द पहेली - 6173

■	1		2		3	■	4		5	6
7		■		■	8			■	9	
	■	10				■	11	12	■	
13			■	■	14		■	15	16	
	■		■	17		■	18	■		■
19	20		21		■	22		23		24
■		■		■	25		■		■	
26		27	■	28		■	■	29		
	■	30	31	■	32		33		■	
34	35	■	36			■		■	37	
38				■	39					■

बाएँ से दाएँ
1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे
1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली- 6172 का हल

ल	गा	म	■	अ	■	त	र	ब	त	र
ल	■	त	म	स	■	ह	म	ला	■	खै
क	श	■	■	ल	■	ल	■	■	का	ल
■	ही	■	क	हा	नी	का	र	■	र	■
ब	द	मा	श	■	र	■	च	म	क	ना
■	■	■	ल	क्ष	■	सी	ना	■	■	■
र	त	ज	गा	■	आ	■	का	म	या	ब
■	र	■	ना	ना	स	सु	र	■	च	■
य	ह	■	■	म	■	रा	■	■	क	म
ह	■	त	ना	व	■	पा	य	ल	■	हु
त	ल	ब	गा	र	■	न	■	ब	ल	वा

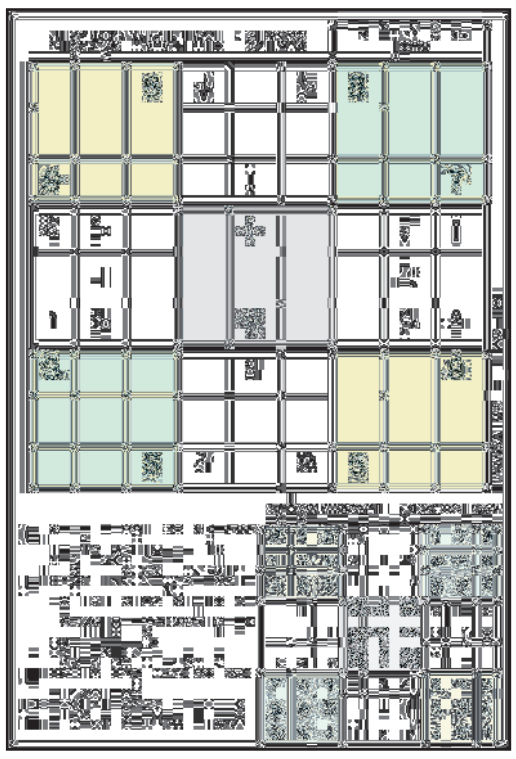

खबर संक्षेप

19 राज्यों में आंधी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। मौसम विज्ञान विभाग ने देश के कई हिस्सों में आने वाले दिनों में गरज-चमक के साथ बारिश, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की संभावना जताते हुए व्यापक अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी विक्षोभ और कई चक्रवाती सिस्टम के प्रभाव से मौसम में यह बड़ा बदलाव आया है। मणिपुर, मिजोरम त्रिपुरा में व्यापक बारिश की संभावना है।

पहली बार एक मेज पर आए सरकार और कुकी

इंफाल। मणिपुर से एक बड़ी खबर है। करीब 3 वर्ष से जारी जातीय संघर्ष के बीच सीएम युमनाम खेमचंद सिंह ने शनिवार शाम गुवाहाटी में कुकी-जो काउंसिल के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ घंटों तक बैठक की। बंद कमरे में चली बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। पौने दो घंटे तक चली इस बातचीत ने अशांति की जमी हुई बर्फ को पिघलाने का काम किया है।

बिहार दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य सरकार को लिखा पत्र

बिहार ने आध्यात्मिकता के साथ नैतिक मूल्यों से समाज को समृद्ध- सुखी किया

देश की पहचान में दिया अमूल्य योगदान

बिहार दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री नीतीश को पत्र लिखकर उन्हें और बिहार के सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। पीएम ने कहा बिहार दिवस, राज्य के सामर्थ्य और परंपराओं का उत्सव मनाने का दिन है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली पटना

बिहार दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर उन्हें और बिहार के सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। सीएम नीतीश को लिखे पत्र में पीएम ने कहा कि बिहार दिवस, राज्य के समृद्ध इतिहास, सामर्थ्य और परंपराओं का उत्सव मनाने का दिन है। यह भारत की सशक्त पहचान में बिहार के अमूल्य योगदान को याद करने का अवसर भी है।प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार की धरती ने प्राचीन काल से ही ज्ञान, आध्यात्मिकता और नैतिक मूल्यों के माध्यम से समाज को समृद्ध किया है। इस धरा पर दिए गए गौतम बुद्ध के विचार आज भी वैश्विक चेतना का हिस्सा हैं और मानवता को मार्ग दिखा रहे हैं। इस भूमि ने चाणक्य जैसे महान कूटनीतिज्ञ का प्रभाव देखा, जिन्होंने सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य के साथ मिलकर एक सशक्त और संगठित भारत की नींव रखी। यह विरासत आज भी भारत की सोच और दिशा को प्रेरित करती है।

राज्य के विकास व सांस्कृतिक गौरव का संदेश दिया

बिहारियों की वैश्विक पहचान

पीएम ने कहा कि बिहारवासियों ने देश और दुनियाभर में अपनी मेहनत, ईमानदारी और प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाई है। समाज सेवा, उद्योग, शिक्षा, कला और संगीतहर क्षेत्र में उनका योगदान अतुलनीय है। उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि उन्होंने करीब से देखा है कि बिहार के लोग गुजरात की प्रगति में योगदान दे रहे थे।

स्वतंत्रता संग्राम और लोकतांत्रिक योगदान की चर्चा

विकास योजनाओं और उपलब्धियों का किया उल्लेख

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में केंद्र सरकार का फोकस बिहार में इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी और समावेशी विकास पर रहा है। राज्य ने कई काम किए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2004 से 2014 की तुलना में बिहार को मिलने वाली केंद्रीय सहायता में काफी वृद्धि हुई है, जिससे विकास परियोजनाओं को गति मिली है।

नीतीश के नेतृत्व की सराहना की

प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री नीतीश के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके सुशासन और सभी वर्गों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता ने राज्य में विश्वास, स्थिरता और प्रगति की नई धारा शुरू की है। बिहार अपने गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है।

सीएम नीतीश ने जताया आभार

नीतीश ने एक्स पर लिखा, मैं पीएम को बिहार दिवस के अवसर पर राज्य के प्रति स्नेहपूर्ण संदेश के लिए हार्दिक धन्यवाद एवं आभार प्रकट करता हूं।

केंद्रीय मंत्री मनोहर ने किया ऐलान

4 माह में भारत शुरू करेगा घरेलू कार्बन ट्रेडिंग का कार्य

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत अगले चार महीनों में घरेलू कार्बन बाजार में औपचारिक ट्रेडिंग शुरू करेगा। यह घोषणा शनिवार को केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने की। यह कदम देश के कार्बन उत्सर्जन को कम करने और जलवायु संबंधी कार्यों के लिए आर्थिक ढांचा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण होगा। भारत बिजली शिखर सम्मेलन 2026 के दौरान मंत्री ने कहा कि अगले चार महीने में देश में कार्बन बाजार में औपचारिक ट्रेडिंग शुरू होगी। उन्होंने कहा कि इस योजना में भाग लेने के लिए सभी संबंधित पक्षों को पहले पंजीकरण कराना होगा। कार्बन बाजार उत्सर्जन को संतुलित करने का एक तंत्र होगा। जिन कंपनियों के पास कार्बन प्रमाणपत्र होंगे वो उन्हें बेच सकेंगे। जिनके पास नहीं होंगे वो खरीद सकेंगे, ताकि वे अपने दायित्वों को पूरा कर सकें। मंत्री ने यह भी कहा कि वैश्विक तापमान में वृद्धि को देखते हुए जलवायु परिवर्तन पर तत्काल कदम उठाना आवश्यक है।

सरकार ने कंपनियों को निर्देश दिया

होटल, रेस्तरां और प्रतिष्ठानों को पीएनजी लेने में प्राथमिकता दें

एलपीजी पर भी व्यापक कदम उठाए जा रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत में गैस संकट की आशंका गहराने लगी थी। लेकिन अब केंद्र सरकार ने हालात संभालने के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। सरकार का कहना है कि देश में ईंधन की सप्लाई को स्थिर रखने और आम लोगों पर असर कम करने के लिए व्यापक रणनीति लागू की जा रही है। सरकार ने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे होटल, रेस्तरां और कैंटीन जैसे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पीएनजी कनेक्शन देने को प्राथमिकता दें। इसका मकसद कमर्शियल एलपीजी पर दबाव कम करना है, ताकि गैस की उपलब्धता बनी रहे और बाजार में संतुलन कायम रहे।सरकार ने गैस इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े सभी लंबित कामों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। केंद्र और राज्य सरकारों को मंजूरी प्रक्रिया तेज करने को कहा गया है।

एलपीजी सप्लाई में बड़ा इजाफा

कमर्शियल जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने एलपीजी सिलिंडर का आवंटन बढ़ा दिया है। राज्यों को अतिरिक्त 20 प्रतिशत एलपीजी दिया गया है। इससे कुल आवंटन 50 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इस अतिरिक्त गैस को होटल, ढाबा, इंडस्ट्रियल कैंटीन और सामुदायिक रसोई जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता से दिया जाएगा।

त्यागी ने राष्ट्रीय लोक दल का दामन थामा, दोनों पार्टियों में कोई अंतर नहीं

एजेंसी ▶▶ पटना

जयंत को चरण सिंह जैसा देखने को आया

बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के पूर्व वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) का दामन थाम लिया है। सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू छोड़ने के बाद केसी त्यागी रविवार सुबह आरएलडी के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी की मौजूदगी में उनकी पार्टी में शामिल हुए।

इसके बाद केसी त्यागी ने कहा, अब से ठीक 52 साल पहले 9 अगस्त 1974 को चौधरी चरण सिंह लोकदल बना रहे थे। मैं उस मंच पर विराजमान था। मैं चौधरी चरण सिंह की बदौलत दोनों सदनों का सदस्य रहा हूं। मैं अब विधायक और सांसद बनने के लिए नहीं, बल्कि जयंत चौधरी को चौधरी चरण सिंह की तरह देखने के लिए आया हूं।

भारत खनिज और ऊर्जा आत्मनिर्भरता में बड़ा कदम

आज से शुरू होगा 19 ब्लॉकों की नीलामी का 7वां चरण

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत अपनी खनिज और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। केंद्र सोमवार को देश के खनिजों की नीलामी का 7 वां चरण लॉन्च करने के को तैयार है। इस बार 19 खनिज ब्लॉक्स की बोली लगाई जाएगी। ये ब्लॉक्स अलग-अलग राज्यों में हैं। सरकार ने बोली लगाने वाली कंपनियों को न्योता दे दिया है। नीलामी के साथ सरकार समावेशी विकास पर भी जोर दे रही है।

मंत्रालय सोमवार और मंगलवार को 'नेशनल डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन समिट ' का आयोजन भी कर रहा है। इसका मकसद उन इलाकों में विकास पहुंचाना है जहां खनन होता है। सरकार का कहना है कि माइनिंग वाले इलाकों को भी उनका हक मिलना चाहिए।

46 ब्लॉक्स पर दांव

खनन मंत्रालय के अनुसार सरकार अब तक खनिजों की नीलामी के छह सफल दौर पूरे कर चुकी है। इन चरणों में अब तक कुल 46 क्रिटिकल खनिज ब्लॉक बेचे जा चुके हैं।

खनन मंत्रालय का मेगा प्लान

चिंतन

एआई सहयोगी होना चाहिए, मालिक नहीं

प्रभाव
अखिलेश आर्येन्दु

तकनीक का हर नया दौर अपने साथ संभावनाओं का उजाला और आशंकाओं की छाया दोनों लेकर आता है। आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उसी मोड़ पर खड़ा है, जहां उससे हमारी उम्मीदें भी बहुत बड़ी हैं और सावधानियां भी उतनी ही जरूरी। हाल ही में जस्टिस सूर्यकांत ने जो बात कही, वह सिर्फ न्यायपालिका ही नहीं, पूरे समाज के लिए एक दिशा-सूचक सिद्धांत है यानी एआई सहयोगी होना चाहिए, मालिक नहीं। बेंगलुरु में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के राष्ट्रीय सम्मेलन-2026 में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विवादों की रोकथाम और समाधान' विषय पर सीजेआई ने स्पष्ट किया कि एआई को न्यायिक प्रणाली में इस तरह शामिल किया जाना चाहिए, जिससे वह व्यवस्था को मजबूत करे, न कि उसकी मूल आत्मा को कमजोर कर दे। यह कथन केवल एक चेतावनी नहीं, बल्कि भविष्य की न्याय व्यवस्था का खाका भी है। आज अदालतों में लंबित मामलों का अंबार है। वर्षों तक चलने वाली सुनवाई, दस्तावेजों का भारी बोझ और जटिल प्रक्रियाएं, ये सब न्याय की गति को धीमा कर देते हैं। ऐसे में एआई का उपयोग बड़े पैमाने पर डेटा संभालने, पैटर्न पहचानने और प्रक्रियागत देरी को कम करने में बेहद उपयोगी हो सकता है, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या एआई को फैसले सुनाने का अधिकार मिलना चाहिए? यहीं पर सीजेआई की बात सबसे अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। न्याय केवल तथ्यों का गणित नहीं है, यह मानवीय संवेदनाओं, नैतिकता और परिस्थितियों की गहराई से जुड़ा हुआ है। एक जज अपने अनुभव, विवेक और तर्कशक्ति के आधार पर निर्णय लेता है। एआई, चाहे कितना भी उन्नत क्यों न हो, इन मानवीय गुणों की बराबरी नहीं कर सकता। एआई के निर्णय पूरी तरह उसके प्रशिक्षण डेटा पर आधारित होते हैं। यदि उस डेटा में कोई पक्षपात या कमी है तो उसका असर फैसलों पर भी पड़ सकता है। इससे न्याय की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो सकते हैं। यही कारण है कि एआई को केवल एक सहायक उपकरण के रूप में सीमित रखना ही बुद्धिमानी है। इसके अलावा, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और पारदर्शिता भी दांव पर लग सकती है। यदि फैसले एआई पर निर्भर होने लगें तो जवाबदेही किसकी होगी। मशीन की या उसे बनाने वाले प्रोग्रामर की? यह एक जटिल नैतिक और कानूनी प्रश्न है, जिसका अभी स्पष्ट उत्तर नहीं है। इसलिए जरूरी है कि अंतिम निर्णय का अधिकार हमेशा इंसानों के पास ही रहे। दरअसल, एआई का सही उपयोग वहीं है, जहां वह इंसानी क्षमता को बढ़ाए, न कि उसे प्रतिस्थापित करे। जैसे एक अच्छा सहायक अपने मालिक के काम को आसान बनाता है, वैसे ही एआई को भी न्यायाधीशों और वकीलों के लिए एक सहायक की भूमिका निभानी चाहिए। दिशा तय करने का अधिकार हमेशा इंसानी बुद्धि और विवेक के पास ही रहना चाहिए। आज जब दुनिया तेजी से डिजिटल हो रही है, तब यह संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है। तकनीक को अपनाना समय की मांग है, लेकिन आंख मूंदकर उस पर निर्भर हो जाना खतरनाक हो सकता है। एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि न्याय, अंततः इंसानों के लिए और इंसानों द्वारा ही किया जाने वाला कार्य है। यह कहना गलत नहीं होगा कि एआई एक शक्तिशाली साधन है, लेकिन उसकी शक्ति का सही उपयोग ही उसे वरदान या अभिशाप बनाता है। जस्टिस सूर्यकांत का यह संदेश हमें याद दिलाता है कि तकनीक को अपने नियंत्रण में रखना ही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

पश्चिम एशिया संघर्ष से बढ़ती दुश्वारियां

जैसे-जैसे पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज होता जा रहा है, वैसे-वैसे दुनिया के अधिकांश देशों में तमाम तरह की समस्याएं और संकट बढ़ता जा रहा है। इसका असर आर्थिक क्षेत्र में पड़ ही रहा है, साथ ही होटल, पर्यटन उद्योग, चिकित्सा पर्यटन, पर्यावरण, जहाजरानी, एयरलाइंस (उड़ानों), ऊर्जा सुरक्षा, धर्मशाला पर्यटन, गैस संकट, उद्योग धंधों और शेयर बाजार पर गहराई से पड़ा है। अभी कहना मुश्किल है कि कब तक यह संघर्ष चलेगा और कितनी गंभीर समस्याएं और बढ़ेंगी। हैरान करने वाली बात यह है कि यह संघर्ष अब घोर प्रतिक्रियावादी दिशा की तरफ जाता दिखाई दे रहा है। अभी जितना विनाश हुआ है, दुनिया भर में उससे अभी और कितना विनाश होगा, कहना मुश्किल है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद्, ब्रिक्स, नाटो जितने भी कूटनीतिक और रणनीतिक समूह हैं, वे भी मिलकर इस संघर्ष को रुकवाने में सफल नहीं होते दिखाई दे रहे हैं।

संघर्ष के 20 दिन गुजर गए हैं। इन बीते दिनों में पश्चिम एशिया के देशों के संघर्ष के दौरान मिसाइलों, ड्रोन, बमों और दूसरे हथियारों के इस्तेमाल से सबसे ज्यादा विनाश हुआ है तो वह है पर्यावरण का। संघर्ष से महज वायु प्रदूषित नहीं हुई है बल्कि जल, भूमि और पारिस्थितिक तंत्र की अपूरणीय क्षति हुई है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि संघर्ष की वजह से भारी तादाद में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन हो रहा है जिससे 33.2 से ज्यादा मिलियन मीट्रिक टन कार्बनडाइआक्साइड के बराबर जहरीली गैसों का उत्सर्जन हुआ है, जो जार्डन जैसे देश के कुल वार्षिक उत्सर्जन के बराबर है। वहीं पर तेल रिफाइनरियों और गैस प्लांटों पर हमले से काली बारिश जैसे मंजर दिखाई देने लगे हैं। इससे इजराइल, ईरान, कुवैत, अरब अमीरात जैसे देशों में ही वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या पैदा हुई है, बल्कि पश्चिम एशिया के तमाम देशों तक इसका गंभीर असर दिखाई देने लगा है। बेतहाशा बमबारी की वजह से तमाम शहरों में मलबों का अंबार लग गया है और खतरनाक रसायन मिट्टी और भूजल में मिल रहे हैं। इससे समुद्र, नदी, पाताल सभी जगह का पानी जहरीला होता जा रहा है। तमाम इलाकों में पीने वाले पानी की ही किल्लत पैदा नहीं हुई है, बल्कि सिंचाई व घरेलू इस्तेमाल में आने वाले पानी की किल्लत हो गई है। बमबारी और मिसाइलों से तहस-नहस हुए इलाकों का डरावना मंजर देखकर युद्ध की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। समाचार एजेंसियों के मुताबिक मलबा इतना ज्यादा है कि युद्ध रुकने के बाद भी ऐसे इलाकों में रहना मुमकिन नहीं होगा, क्योंकि बमों से निकले जहरीले रसायनों और गैसों से महीनों तक वातावरण पूरी तरह जहरीला बना रहेगा। बहुत बड़ी तादाद में होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल के जहाज तैर ही नहीं रहे हैं, बल्कि समुद्र में बहुत बड़ी तादाद में तेल फैल रहा है। इससे समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को बहुत नुकसान पहुंच रहा है। इस नुकसान की भरपाई कर पाना नामुमकिन बताया जा रहा है। जाहिर तौर पर पहले से ही पानी की कमी से जूझ रहे खाड़ी क्षेत्र के देशों के लिए पानी की बढ़ती किल्लत से जल संकट बढ़ रहा है, जिससे हालात और भी ज्यादा गंभीर होते जा रहे हैं। जितनी समस्याएं, संकट और दुश्वारियां बढ़ रही हैं, वे बढ़ते संघर्ष का नतीजा है। इसलिए युद्ध रुकवाना सबसे जरूरी है। संघर्ष रुकवाने की जितनी कोशिशें अभी तक

हुई हैं, वे नाकाम साबित हुई है। इसका असर लोगों में दहशत, पलायन और भुखमरी के रूप में सामने आया है। जानकारों के मुताबिक संघर्ष की वजह से 2026 में मध्य-पूर्व में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की तादाद में 11 से 27 प्रतिशत तक की कमी आने की उम्मीद है। इससे पर्यटन क्षेत्र में 34 से 56 मिलियन डालर का नुकसान होने की उम्मीद है। भारत सहित कई देशों की अंतरराष्ट्रीय उड़ानें आए दिन रद्द हो रही हैं। इससे पर्यटकों की तादाद में भारी कमी देखी जा रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास संघर्ष की वजह से पर्यटकों की आवाजाही पर प्रतिकूल असर देखा जा रहा है। होटलों, धर्मशालाओं की बुकिंग में भारी कमी आई है। वहीं, उद्योग धंधों पर भी असर पड़ा है। पिछले 20 दिनों से जारी संघर्ष का असर भारत सहित एशिया के देशों पर पड़ा है। उद्योग जगत पर इसका सीधा असर देखा जा रहा है। गैस संकट की वजह से भारत में उन उद्योगों पर गहरा असर दिखाई दे रहा है, जहां गैस की खपत ज्यादा होती थी। सर्वेक्षण के मुताबिक भारतीय उद्योग धंधों में 30 प्रतिशत से अधिक की उत्पादन में कमी आई है। बड़ी विनिर्माण कंपनियों से लेकर सूक्ष्म, लघु और मझोले उपक्रमों तक तमाम कंपनियां उत्पादन के मामले में बहुत अधिक संघर्ष कर रही हैं। कच्चा माल और पर्याप्त ईंधन न मिलने की वजह से भी उत्पादन में भारी गिरावट आई है। स्टील, पेंट, आयरन उत्पादन, बड़े उत्पादन क्षेत्रों में कार्यरत रसोई, मशीन निर्माण सहित तमाम क्षेत्रों पर गैस की कमी की बात कही जा रही है। भारतीय होटलों, ढाबों, रेस्तरांओं और कैंटीनों में भी गैस की समस्या की बात कही जा रही है। भारत में यह बड़े स्तर पर नहीं है, लेकिन जानकारों का कहना है कि यदि संघर्ष का दौर आगे बढ़ता जाएगा तो समस्या आनी तय है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बमबारी और मिसाइलों के हमलों से निकल रही जहरीली गैसें उन देशों तक पहुंच सकती हैं जो देश इस संघर्ष में किसी भी तरह शामिल नहीं हैं। यही नहीं, संघर्ष पर नजदीक से नजर रखने वाले पर्यटक और पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम के तमाम मुल्कों में युद्ध में विस्थापित लोगों के पुनर्वास की समस्या विकराल हो सकती है, जिससे देशों के सीमा से सटे देश में सुरक्षा की बहुत बड़ी समस्या पैदा होने की आशंका बढ़ गई है। गौरतलब है पिछले दो सालों में रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान यूक्रेन से हजारों की तादाद में लोग को अपना पुश्तैनी निवास छोड़कर उन जगहों पर शरण लेनी पड़ी, जहां उनके योग-क्षेम की व्यवस्था बहुत कम थी। युद्ध विस्थापकों की समस्या दुनिया की तमाम विस्थापित समस्याओं में बहुत गंभीर देखी गई है। ईरान और दूसरे देशों से विस्थापित लोग उस तरफ रुख कर रहे हैं, जहां वे अपने लिए सुरक्षित समझ रहे हैं। इनकी मदद की अपील दुनिया के तमाम मानवाधिकार पर कार्य करने वाली संस्थाएं कर रही हैं, लेकिन अभी वैसी मदद इन्हें नहीं मिल रही है, जिसकी इन्हें जरूरत है। प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुनिया में हाहाकार मचा था। जापान सहित दुनिया के तमाम देशों के हालात बेहद नाजुक हो गए थे। इस संघर्ष को लेकर भी कहा जाने लगा है कि यदि समझदारी और संवाद के जरिए युद्ध खत्म करने पर रजामंदी नहीं हुई तो, एक बार फिर दुनिया एक नए विश्व युद्ध के दायरे में आ सकती है। भारत अपनी कूटनीति और रणनीति के जरिए पूरी कोशिश में है कि जितनी जल्द हो सके, संघर्ष विराम के लिए तीनों देश रजामंदी कर लें। भारत कहता रहा है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। इससे सभी देशों में संकट और समस्याएं बढ़ेंगी। जरूरत है युद्ध संकट के दौर में राजनेता, विपक्षी दल, व्यापारी, शासन के अधिकारी और जनता देशहित में एक साथ मिलकर देश को किसी भी तरह के संकट से बचाने के लिए आगे आएं। इससे देश में किसी भी तरह का कृत्रिम संकट पैदा नहीं होगा।

हैरान करने वाली बात यह है कि यह संघर्ष अब घोर प्रतिक्रियावादी दिशा की तरफ जाता दिखाई दे रहा है। अभी जितना विनाश हुआ है, दुनिया भर में उससे अभी और कितना विनाश होगा, कहना मुश्किल है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद्, ब्रिक्स, नाटो जितने भी कूटनीतिक और रणनीतिक समूह हैं, वे भी मिलकर इस संघर्ष को रुकवाने में सफल नहीं होते दिखाई दे रहे हैं। जरूरत है युद्ध संकट के दौर में राजनेता, विपक्षी दल, व्यापारी, शासन के अधिकारी और जनता देशहित में एक साथ मिलकर देश को किसी भी तरह के संकट से बचाने के लिए आगे आएं। इससे देश में किसी भी तरह का कृत्रिम संकट पैदा नहीं होगा।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

शहीदी दिवस

डॉ. घनश्याम बादल

स्वाधीनता की दहाड़ और इंकलाब की अनुगूंज

आज है 23 मार्च। एक ऐसी शख्सियत को उनकी पुण्यतिथि पर याद करने का दिन। 28 सितंबर 1907 को वर्तमान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के लायलपुर में जन्मे, अपनी जवानी को मातृभूमि पर चढ़ाने वाले उस जोशीले नौजवान का नाम था भगत सिंह, जिसे उसकी दादी 'भागोंवाला' कहा करती थी। शायद उसका जन्म ही आजादी दिलवाने के लिए हुआ था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के विराट आख्यान में भगत सिंह का नाम केवल एक क्रांतिकारी के रूप में नहीं, बल्कि एक विचार, एक चेतना और एक सतत प्रतिरोध की परंपरा रूप में दर्ज है। अंग्रेजी सत्ता के मन में उनका कितना भय था, यह इसी से पता चलता है कि उनकी फांसी की तारीख 24 मार्च तय हुई थी, लेकिन 23 मार्च को ही सुबह 7:30 बजे उन्हें राजगुरु और सुखदेव के साथ फांसी पर चढ़ा दिया गया था। 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में उन्हें फांसी दी गई, तब वे महज 23 वर्ष के थे, किंतु उनकी वैचारिक परिपक्वता, वैचारिक निर्भीकता और राजनीतिक स्पष्टता ने उन्हें अपने समय से कहीं आगे खड़ा कर दिया। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें याद करना केवल एक औपचारिक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि उस असहज प्रश्न से सामना करना भी है कि क्या हमने उस भारत का निर्माण किया, जिसकी कल्पना उन्होंने की थी। भगत सिंह का जीवन एक साधारण देशभक्त युवक से एक प्रखर वैचारिक क्रांतिकारी बनने

की यात्रा है। जलियांवाला बाग हत्याकांड ने उनके मन पर जो अमिट छाप छोड़ी, उसने उनके भीतर अंग्रेजी सत्ता के प्रति गहरा आक्रोश पैदा किया। किशोर अवस्था में ही उन्होंने खेतों में खून से सनी मिट्टी को बोतल में भरकर अपने साथ रखा। यह प्रतीक था उस प्रतिज्ञा का, जो उन्होंने अन्याय के विरुद्ध ली थी। आगे चलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन से जुड़कर उन्होंने क्रांतिकारी गतिविधियों को संगठित रूप दिया। कार्ल मार्क्स, लेनिन और अन्य समाजवादी चिंतकों के साहित्य ने उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाया।

उनकी प्रसिद्ध उक्ति "क्रांति की तलवार विचारों की सान पर तेज होती है" इस बात का प्रमाण है कि वे विचारों की शक्ति को सर्वोपरि मानते थे। उनकी शायरी और लेखन में भी यह वैचारिक ताप स्पष्ट दिखाई देता है-चाहे वह "सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है" जैसी पंक्तियों के प्रति उनका अनुराग हो या जेल में लिखे गए उनके लेख, जिनमें एक स्वतंत्र, समतामूलक और वैज्ञानिक दृष्टि वाले समाज की परिकल्पना झलकती है। सांडर्स हत्याकांड और केंद्रीय विधानसभा बम कांड में उनकी भूमिका ने ब्रिटिश सरकार को उन्हें एक ख़तरनाक क्रांतिकारी के रूप में स्थापित करने का अवसर दिया। किंतु यह भी उतना ही सच है कि असेंबली में फेंका गया बम जान लेने के लिए नहीं, बल्कि "बहरों को सुनाने" के लिए था। उन्होंने स्वयं गिरफ्तारी दी ताकि अदालत को अपने विचारों के प्रचार का मंच बना सकें। यह एक असाधारण राजनीतिक रणनीति थी, जिसने उन्हें एक सच्चा सरदार और जननायक बना दिया। जेल में उनके संस्मरण और लेखन उनकी वैचारिक ऊंचाई को और स्पष्ट करते हैं। "मैं नास्तिक क्यों हूं" जैसे लेख में उन्होंने धार्मिक आस्थाओं पर प्रश्न उठाते हुए तर्क और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का समर्थन किया। उनके द्वारा की गई लंबी भूख हड़ताल, जिसमें उन्होंने भारतीय कैदियों के साथ हो रहे भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई, उनके मानवीय और नैतिक पक्ष को उजागर करती है। आज के संदर्भ में भगत सिंह की प्रासंगिकता केवल एक क्रांतिकारी प्रतीक के रूप में नहीं, बल्कि एक वैचारिक मार्गदर्शक के रूप में अधिक महत्वपूर्ण है। उनकी शहादत हमें यह भी सिखाती है कि राष्ट्रभक्ति केवल भावनात्मक आवेग नहीं, बल्कि एक विवेकपूर्ण और जिम्मेदार प्रतिबद्धता है। उन्होंने अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक अध्ययन जारी रखा, विचार किया और अपने समय की राजनीतिक परिस्थितियों का विश्लेषण किया। यह बौद्धिक ईमानदारी ही उन्हें अन्य क्रांतिकारियों से अलग करती है। आज जब हम उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हैं तो यह आवश्यक है कि हम उन्हें केवल नारों और प्रतीकों तक सीमित न करके रह जाएं। भगत सिंह का असली सम्मान तभी होगा जब हम उनके विचारों-वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सामाजिक न्याय और निर्भीक अभिव्यक्ति-को अपने जीवन और समाज में आत्मसात करें। उनकी शहादत एक ऐतिहासिक घटना भर नहीं, बल्कि एक सतत प्रेरणा है, जो हर पीढ़ी से यह प्रश्न पूछती है कि क्या हम उस आजादी के योग्य हैं, जिसके लिए उन्होंने अपना जीवन न्योछावर कर दिया।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हृदय का करें अनुसरण

संकलित
दर्शन

कोई भी धर्मग्रंथ हमें धार्मिक नहीं बना सकता। चाहे हम दुनिया के सारे धर्मग्रंथ पढ़ डालें, परंतु फिर भी ईश्वर या धर्म का हमें तनिक भी ज्ञान नहीं होता। हम सारी उम्र धर्म या ईश्वर संबंधी बातें करते रहें, पर हमारी आध्यात्मिक उन्नति नहीं होती। दुनिया के विद्वानों ने भले ही हमारी बुद्धि प्रखर कर दी हो, पर हम ईश्वर तक नहीं पहुंच सके। पाश्चात्य संस्कृति का दोष यह है कि हम बुद्धि का संस्कार करते समय हृदय के संस्कार की ओर ध्यान ही नहीं देते। इसका परिणाम यह होता है कि मनुष्य दस गुना स्वार्थी हो जाता है। यदि हृदय और बुद्धि में विरोध उत्पन्न हो, तो तुम हृदय का अनुसरण करो, क्योंकि बुद्धि केवल एक तर्क के क्षेत्र में ही काम कर सकती है, वह उसके परे जा ही नहीं सकती, पर वह केवल हृदय ही है, जो हमें उच्चतम भूमिका पर आरूढ़ करता है। वहां तक बुद्धि कभी नहीं पहुंच सकती। हृदय, बुद्धि का अतिक्रमण कर अंतःस्फूर्ति को पा लेती है। बुद्धि से कभी अंतःस्फूर्ति प्राप्त नहीं हो सकती। अंतःस्फूर्ति का कारण केवल ज्ञानोदय बासित हृदय ही है। बुद्धिप्रधान, किंतु हृदय शून्य मनुष्य कभी स्फूर्तिमान नहीं बन सकता। प्रेममय पुरुष की समस्त क्रियाएं उसके हृदय से अनुप्राणित होती हैं। एक ऐसा उच्चतर साधन, जिसे बुद्धि कभी नहीं दे सकती, अगर किसी ने पाया है तो हृदय ने ही, और वह साधन है अंतःस्फूर्ति। जिस तरह बुद्धि ज्ञान का साधन है, उसी तरह हृदय अंतःस्फूर्ति का। शुरुआत में हृदय इतना शक्तिशाली नहीं होता, जितनी कि बुद्धि।

सेवा का समर्पण भाव

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक राजा भोजन कर रहा था, अचानक खाना परोस रहे सेवक के हाथ से थोड़ी सी सब्जी राजा के कपड़ों पर छलक गई। राजा की त्यौरियां चढ़ गयीं। जब सेवक ने यह देखा तो वह थोड़ा घबराया, लेकिन कुछ सोचकर उसने प्याले की बची सारी सब्जी भी राजा के कपड़ों पर उड़ेल दी। अब तो राजा के क्रोध की सीमा न रही। उसने सेवक से पूछा, तुमने ऐसा करने का दुस्साहस कैसे किया? सेवक ने अत्यंत शांत भाव से उत्तर दिया, महाराज! पहले आपका गुस्सा देखकर मैनें समझ लिया था कि अब जान नहीं बचेगी। लेकिन फिर सोचा कि लोग कहेंगे की राजा ने छोटी सी गलती पर एक बेगुनाह को मौत की सजा दी। ऐसे में आपकी बदनामी होती। तब मैनें सोचा कि सारी सब्जी ही उड़ेल दूं। ताकि दुनिया आपको बदनाम न करे। और मुझे ही अपराधी समझे। राजा को उसके जबाव में एक गंभीर संदेश के दर्शन हुए और पता चला कि सेवक भाव कितना कठिन है। जो समर्पित भाव से सेवा करता है उससे कभी गलती भी हो सकती है फिर चाहे वह सेवक हो, मित्र हो, या परिवार का कोई सदस्य, ऐसे समर्पित लोगों की गलतियों पर नाराज न होकर उनके प्रेम व समर्पण का सम्मान करना चाहिए। बिना सोचे समझे पहले ही किसी पर अपनी नाराजगी जाहिर करना ठीक नहीं।

अंतर्मन

आज की पाती

याद रखना हमेशा, वन हैं तो हम हैं

21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। दुनिया भर में इस उपलक्ष्य में प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वनों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 28 नवंबर, 2012 को हर वर्ष 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के रूप में मनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया था। तब से हर वर्ष की 21 मार्च को यह दिवस मनाया जाता रहा है। वन हैं तो हम हैं। जो वृक्ष हमें फल नहीं देते हैं, वो भी बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि यह हमें जीवित रहने के लिए ऑक्सीजन बिना किसी मूल्य के देते हैं। लेकिन बहुत अफसोस है कि अब वनों की संभाल के लिए लापरवाही बरती जा रही है। वनों की रक्षा के लिए सरकार, नागरिकों तथा संस्थाओं को मिल कर काम करना होगा।
– मीना मलिक, हिसार

ट्रेंड

नए युग को आकार

मोदी जी की दशकों की सेवा ने एक नए युग को आकार दिया है। चाहे गरीबों को उनके अधिकार दिलाना हो, विकास में नए मुकाम हासिल करना हो या वैश्विक मंचों पर राष्ट्र का गौरव बढ़ाना हो, मोदी युग ने भारत को पूरी तरह से बदल दिया है।
- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

आयुष्मान भारत योजना

हमारी सरकार ने पहली कैबिनेट कैबिनेट बैठक में आयुष्मान भारत योजना लागू करने का निर्णय लिया ताकि जरूरतमंद परिवारों को 10 लाख तक के मुफ्त इलाज का सहारा मिल सके। आज 7 लाख से ज्यादा परिवारों के पास आयुष्मान भारत योजना का सुरक्षा कवच है।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

हवाई यात्रा का किराया

हवाई यात्रा का किराया मध्यम वर्ग की पहुंच से बाहर होता जा रहा है। मोदी सरकार हवाई किराए पर लगी सीमा को हटा रही है, जिससे टिकटों की कीमतों में भारी मुद्रास्फीति हो सकती है। सरकार को हवाई किराए को अधिक प्रभावी ढंग से विनियमित करने पर काम करना चाहिए।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

चाटुकारिता की दुकानें

गैस ने 'चाट' की दुकाने बंद कर दी है और जनता का विरोध देखकर 'चाटुकारिता' की भी दुकानें जल्दी ही बंद हो जाएंगी... उनके शटर गिरना तो शुरू ही हो चुके हैं...बस ताला लगना बाकी है।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

'बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस' जानलेवा : नया अध्ययन

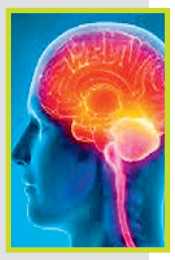

'बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस' (जीवाणु जनित मस्तिष्क ज्वर) एक बार फिर दुनियाभर में सुर्खियों में है। इस बीमारी के हाल में सामने आए मामले न्यूजीलैंड के ओटागो विश्वविद्यालय और इंग्लैंड के केंट विश्वविद्यालय से जुड़े हैं। 'बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस' को एक गंभीर और जानलेवा बीमारी माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का अनुमान है कि इससे संक्रमित लगभग हर छह में से एक व्यक्ति की मौत हो जाती है, भले ही उसे तुरंत चिकित्सकीय देखभाल और एंटीबायोटिक उपचार मिला हो। यह आंकड़ा भयावह है जिस पर अकसर बात होती है लेकिन इस बारे में अधिक बात नहीं की जाती कि इस अत्यधिक संक्रामक रोग से बच जाने वाले लोगों के साथ भविष्य में क्या होता है। 'बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस' संबंधी अधिकतर शोध का रुख लगभग एक जैसा रहा है और उनमें मुख्य रूप से उस गंभीर चरण पर ध्यान केंद्रित किया गया है जब लोग अस्पताल में भर्ती होते हैं और उनका उपचार चल रहा होता है लेकिन इससे इस धारणा को भी बल मिलता है कि 'बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस' एक अल्पकालिक बीमारी है जबकि ऐसा नहीं है। अंतरराष्ट्रीय साक्ष्य बताते हैं कि अधिकतर मरीजों को इलाज के काफी बाद तक भी शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्तर पर इसके असर झेलने पड़ते है।

ऑफ बीट

खुद सब्जियां उगाने वाले कम भोजन करते हैं बर्बाद

जीवन यापन के बढ़ते खर्च से लोगों, विशेष रूप से कम आय वाले के लिए स्वस्थ आहार का खर्च उठा पाना कठिन होता जा रहा है। इसके बावजूद, ब्रिटेन में घरों में हर साल आश्चर्यजनक मात्रा में भोजन बर्बाद होता है। इसमें लगभग 68 किलोग्राम फल और सब्जियां भी शामिल है। खाने की बर्बादी न केवल आपकी जेब पर भारी पड़ती है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। वैश्विक स्तर पर, हर साल 1.3 अरब टन भोजन बर्बाद हो जाता है, जिससे दुनिया के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग आठ प्रतिशत उत्पन्न होता है। ये उत्सर्जन खाद्य आपूर्ति श्रृंखला के सभी चरणों में अप्रयुक्त भोजन से उत्पन्न होता है। हमारे हालिया अध्ययन से हालांकि पता चला है कि जो लोग बगीचों और आवंटित जमीनों में फसल और सब्जियां स्वयं उगाते हैं, वे औसतन केवल 3.4 किलोग्राम फल और सब्जियां बर्बाद करते हैं – जो ब्रिटेन के औसत से 95 प्रतिशत कम है। इन परिवारों ने भोजन की बर्बादी को कम करने के लिए विभिन्न प्रथाओं को अपनाया, जिसमें अपनी अतिरिक्त उपज को संरक्षित करना या किसी अन्य को दे देना भी शामिल है। हाल के वर्षों में ब्रिटेन और अन्य जगहों पर बगीचों, सामुदायिक उद्यानों और आवंटित भूमि पर ताजा फसल एवं सब्जियां उगाने में दिलचस्पी फिर से बढ़ी है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड,
रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

मियामी ओपन: यानिक ने दामिर जुमहुर को 6-3, 6-3 से हराया

सिनर ने की जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी

एजेंसी ▶▶| मियामी

यानिक सिनर ने हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए मियामी ओपन के पहले राउंड के मुकाबले नें दामिर जुमहुर को 6-3, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ सिनर ने दिग्गज नोवाक जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। सिनर मैच में अपनी डिलीवरी से सिर्फ आठ अंक पीछे रह गए। नवंबर में पेरिस मास्टर्स और इंडियन वेल्स में अपने खिताबी जीत के बाद अब एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट्स में लगातार 24 सेट जीत कर नोवाक जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। उनके पास 30वीं सीड कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ अपने तीसरे राउंड के मुकाबले का पहला सेट जीतकर जोकोविच से आगे निकलने का मौका होगा, जिन्होंने टॉमस माचाक को 6-0, 1-6, 6-4 से हराया था।

'सनशाइन डबल' पूरा करने वाले खिलाड़ी बनने की कोशिश

सिनर मियामी में अपना दूसरा खिताब जीतने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्व में 2024 में वह चैंपियन रहे थे। सिनर के पास साउथ फ्लोरिडा में डिफेंड करने के लिए कोई एटीपी रैंकिंग पॉइंट नहीं है, जिससे उन्हें विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज के साथ अपनी लड़ाई में और मोमेंटम बनाने का मौका मिल रहा है। इंडियन वेल्स में 2026 के लिए अपनी पहली ट्रॉफी उठाने गई। इसने टॉप 100 से बाहर रैंक वाले खिलाड़ियों के खिलाफ उनके दबदबे को भी बढ़ाया और हाल के सीजन में बाएं हाथ के खिलाड़ियों के खिलाफ अपनी जीत की लय बरकरार रखी। ज्वेरेव अब अनुभवी खिलाड़ी मारिन सिलिक से भिड़ेंगे। क्रोएशियाई खिलाड़ी ने तीन सेट के कड़े मुकाबले में ब्रैंडन नाकाशिमा को हराकर जीत हासिल की, और जीत के रास्ते में एक मैच अंक बचाया।

कभी-कभी स्कोरबोर्ड मायने रखता है: सिनर

जीत के बाद सिनर ने कहा, मुझे लगता है कि कभी-कभी स्कोरबोर्ड मायने रखता है। मेरे लिए, मैं एक खिलाड़ी के तौर पर बेहतर होने की कोशिश करता हूं और खुद को ज्यादा से ज्यादा मैच खेलने की स्थिति में रखता हूं। मैं हमेशा हर विरोधी के साथ एक जैसा बर्ताव करता हूं, कोर्ट पर आकर अच्छे रवैये के साथ अपना बेस्ट देने की कोशिश करता हूं और इसके लिए पूरी कोशिश करता हूं।

ज्वेरेव ने की जीत के साथ शुरुआत

इंडियन वेल्स के सेमी-फाइनलिस्ट ज्वेरेव ने मियामी ओपन में अपने कैंपेन की शुरुआत जीत के साथ की है। जर्मन खिलाड़ी ने वाइल्डकार्ड मार्टिन डैम को 6-2, 6-4 से आसानी से हराकर अपना पहला मुकाबला आसानी से जीता। इस जीत ने इस दशक में एटीपी मास्टर्स 1000 लेवल पर ज्वेरेव के शानदार रिकॉर्ड को और मजबूत किया, जिससे उनकी जीत की संख्या 103 हो

शेवचेंको ने की जबरदस्त वापसी, पहुंचें तीसरे राउंड में

एलेक्जेंडर शेवचेंको ने जबरदस्त वापसी करते हुए अपने पसंदीदा बेन शेल्टन को नॉक आउट कर दिया, जबकि तीसरी सीड वाले ज्वेरेव रविवार को मियामी ओपन में आराम से तीसरे राउंड में पहुंच गए। शेवचेंको ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दूसरे राउंड के मैच में शेल्टन पर 6-7(3), 7-6(3), 6-3 से जीत हासिल की, जिससे अमेरिकी खिलाड़ी अपने होम स्टेट फ्लोरिडा के सबसे बड़े टूर्नामेंट में से एक में एक बार फिर जल्दी बाहर हो गए। यह जीत वर्ल्ड नंबर 84 के टॉप 10 अपोनेंट पर करियर की तीसरी जीत थी और इससे उन्हें चौथी बार एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के तीसरे राउंड में पहुंचने में मदद मिली। कजाकिस्तान का यह खिलाड़ी दूसरा सेट लगभग हार ही गया था, लेकिन टाई-ब्रेक में उसने अपना लेवल बढ़ाकर निर्णायक सेट करा दिया। फिर उसने तीसरे सेट में आक्रामक टेनिस खेला, और शेल्टन पर दबाव डालने के लिए जल्दी निर्णायक ब्रेक हासिल किया।

CRICKET AUSTRALIA

ऑस्ट्रेलिया का घरेलू इंटरनेशनल सीरीज का शेड्यूल जारी, भारत के खिलाफ पांच टेस्ट

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपना 2026-27 का अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर जारी किया, जिसमें उसका कार्यक्रम काफी व्यस्त है और इसलिए उसे जनवरी से मार्च तक भारत में होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला की प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले तैयारी के लिए बहुत कम समय मिलेगा। अगले साल भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला पैट कमिंस की उम्रदराज टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। उसको इसके लिए तैयारी का बहुत कम समय मिलेगा क्योंकि ऑस्ट्रेलिया को दिसंबर और मार्च के बीच 14 सप्ताह के अंदर 10 टेस्ट मैच खेलने हैं।

अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट

ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू सत्र की शुरुआत अगस्त 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच से करेगा और इसका समापन मार्च 2027 में एमसीजी में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर खेले जाने वाले दिन रात्रि टेस्ट मैच से होगा। ऑस्ट्रेलिया की इस व्यस्त कार्यक्रम में भारत के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली टेस्ट श्रृंखला में असली परीक्षा होगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, 'बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का वह दौरा कमिंस, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन जैसे खिलाड़ियों के लिए आखरी चुनौती होगी क्योंकि उन्होंने अभी तक भारत में कभी कोई श्रृंखला नहीं जीती है।'

दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को दी पटखनी, सीरीज में 2-2 की बराबरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

साउथ अफ्रीका के स्पिनर्स ने कमाल का खेल दिखाया, जिसका नतीजा ये रहा कि साउथ अफ्रीका ने चौथे टी20 पर कब्जा कर लिया है। अफ्रीकी टीम ने न्यूजीलैंड को 19 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ सीरीज फिलहाल दो-दो की बराबरी पर है और आखिरी और 5वां टी20 25 मार्च को खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की बैटिंग रही फ्लॉप

न्यूजीलैंड के लिए चौथा टी20 मुकाबला आसान हो सकता था। टीम ने अफ्रीकी टीम को 5 विकेट पर 164 रन पर रोक लिया था। न्यूजीलैंड की टीम जब लक्ष्य का पीछा करने उतरी तब 10 ओवरों में टीम ने 3 विकेट गंवा 88 रन बना लिए थे। टीम सेशन में लगातार विकेट गंवाती रही और 18.5 ओवरों में पूरी टीम 145 रन पर ढेर हो गई। मैच उस वक्त साउथ अफ्रीका के पाले में चला गया जब टीम के फेवरेट स्पिनर केशव महाराज और प्रेनेलन सुब्रयन ने मिडिल ओवरों में न्यूजीलैंड टीम पर पूरा दबाव बना दिया था।

न्यूजीलैंड के रॉबिन्सन ने खेली शानदार पारी

न्यूजीलैंड की बैटिंग की बात करें तो टीम के ओपनर टीम रॉबिन्सन ने सबसे ज्यादा 32 रन बनाए। उनके अलावा और कोई बैटर कुछ खास नहीं कर पाया। डेन क्लेवर ने 26, निक केली ने 19, कोल मैकॉन्ची ने 10 और जोश क्लार्कसन ने 10 रन बटोरे।

स्पेनिश पैरा बैडमिंटन में प्रमोद को दो स्वर्ण और एक रजत

विटोरिया (एजेंसी)। पैरालम्पिक चैम्पियन प्रमोद भगत ने स्पेनिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2026 में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। भगत ने पुरूष एकल एसएल3 में भारत के ही नितेश कुमार को 21 . 17, 10 . 21, 21 . 18 से हराया। मिश्रित युगल में उन्होंने मनीषा रामदास के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने ब्राजील के रोजेरियो जूनियर जेवियर डि ओलिवियरा और एडवर्डो डि ओलिवियरा डायस को 13 . 21, 21 . 12, 21 . 19 से मात दी। भगत ने पुरूष युगल एसएल3 और एसयू5 श्रेणी में सुकांत कदम के साथ रजत पदक जीता। सुकांत ने पुरूष एकल एसएल4 फाइनल में कोरिया के चो नदान को 21 . 16, 21 . 17 से हराया।

सुरेश रैना, मैथ्यू हेडन पहले हाफ आफ फेम में शामिल

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार को भारत के पूर्व हरफनमौला सुरेश रैना और आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को टीम के पहले 'हाल आफ फेम' में शामिल किया। यह घोषणा एम ए चिदंबरम स्टेडियम पर टीम के प्रशंसकों के लिये विशेष कार्यक्रम 'रोअर 26' के दौरान की गई। रैना 2008 से 2021 तक चेन्नई टीम का हिस्सा थे।वह चार बार आईपीएल में चेन्नई की विजेता टीम (2010, 2011, 2018 और 2021)के सदस्य रहे। प्रशंसकों के बीच 'चिन्ना थाला' के नाम से मशहूर रैना 2010 और 2014 में चैम्पियंस लीग जीतने वाली चेन्नई टीम में भी थे और 2014 में 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' रहे थे।

न्यूजीलैंड ने टी20 सीरीज पर जमाया कब्जा

एजेंसी ▶▶| वेलिंगटन

साउथ अफ्रीका की महिला टीम को न्यूजीलैंड ने अपने घर पर खेली जाने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के चौथे मैच में भी हराया दिया। न्यूजीलैंड के लिए जेस केर ने तीन विकेट चटकाए, जबकि साउथ अफ्रीका ने 159 रन का टोटल बनाया। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की धाकड़ बल्लेबाज सोफी डिवाइन ने 34 गेंद में छह चौके और चार छक्के की मदद से 64 रन की बेहतरीन पारी खेली, जिससे उनकी टीम ने आसानी से 18.3 ओवर में चार विकेट पर 160 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही न्यूजीलैंड ने पांच मैचों की टी20 सीरीज पर 3-1 से कब्जा जमा लिया है।

सोफी ने खेली 64 रन की तूफानी पारी

160 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 57 रन के स्कोर तक दो विकेट खो चुकी थी। तभी नंबर चार पर आने वाली सोफी डिवाइन ने मोर्चा संभाला और कप्तान ऐमिलिया केर ने उनका साथ निभाया। ऐमिलिया केर ने 29 गेंद में चार चौके लगाकर 31 रन बनाए, जबकि सोफी डिवाइन ने 34 गेंद में छह चौके और चार छक्के की मदद से 64 रन की पारी खेली। इसके चलते न्यूजीलैंड की महिला टीम ने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 160 रन बनाकर छह विकेट से जीत दर्ज की।

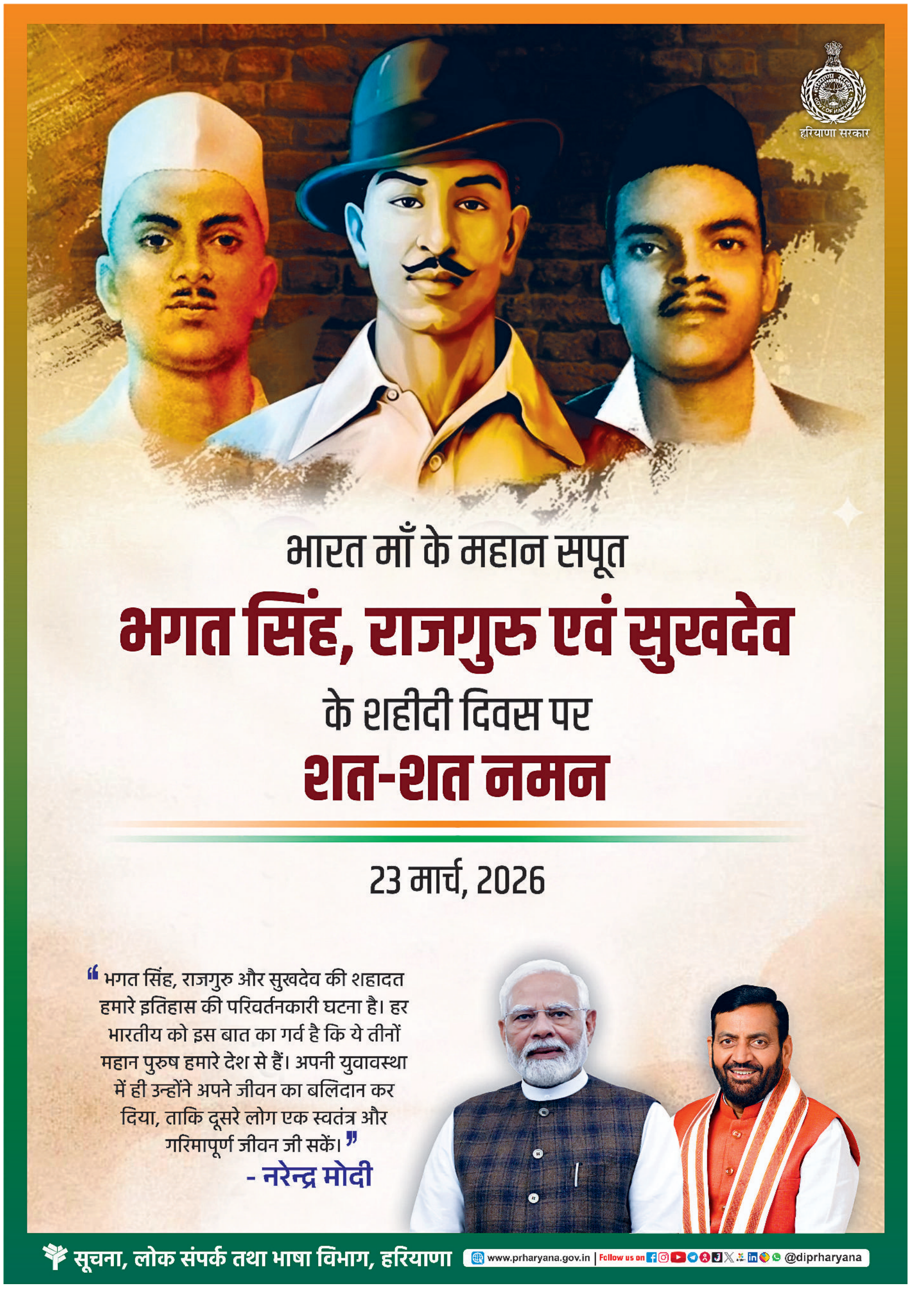

मथुरा में बाबा की हत्या पर आक्रोश बढ़ा

सीमा पार से बुना गया बाबा चंद्रशेखर की मौत का ताना-बाना, उठे सवाल

एजेंसी ▶▶ मथुरा

ईद पर तड़के गो तस्करों की तलाश में निकले गो भक्त बाबा की मौत के बाद बवाल नहीं होता, लेकिन राजनीति और सीमा पार से आए कुछ लोगों ने बवाल को बढ़ाने में हवा दी। जांच में सामने आया है कि हरियाणा और अलवर के कुछ लोग घटनास्थल पर लोगों को उकसाया। अधिकारियों के समझाने पर लोग समर्थक जाम खोलने पर सहमत हो गए थे, लेकिन चंद स्थानीय लोगों ने राजनीति चमकाने के लिए लोगों को उकसा कर जाम नहीं खुलने दिया। जांच में सामने आया है कि इसी दरमियान अलवर और हरियाणा से कथित गोसेवक वहां पहुंच गए थे।

सख्त कार्रवाई करेगी पुलिस

उन्होंने पुलिस को लाठियां फटकराने का आदेश दिया तब पुलिसकर्मियों ने हंगामा करने वालों को खदेड़ा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह का कहना है कि कोसी में हुई घटना दुर्भाग्यपूर्ण थी। हादसा खराब मौसम और कोहरे के कारण हुआ। कुछ लोगों ने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। जांच के बाद ऐसे तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जांच में खुलासाः मामले को हवा देने में लगे थे बाहरी

हाईवे किनारे लावारिस मिलीं कई बाइकें

बाबा की मृत्यु के बाद उपजे जनाक्रोश ने शनिवार को हिंसक रूप ले लिया। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़प और पथराव के बाद पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया, जिसमें हाईवे किनारे लावारिस हालत में मिलीं बाइकों को जब्त कर लिया। वाहनों को छाता कोतवाली परिसर में खड़ा करवा दिया है। पुलिस अब इन वाहनों के नंबरों के आधार पर उनके मालिकों की पहचान कर रही है।

दो प्राथमिकी होंगी दर्ज शिनाख्त शुरू

बवाल के मामले में देर रात तक पुलिस उन प्रदर्शनकारियों को चिह्नित किया, जिन्होंने पुलिस पर पथराव किया। बाबा की सड़क हादसे में मौत की प्राथमिकी ट्रक चालक के विरुद्ध दर्ज की जाएगी। दूसरी प्राथमिकी हाईवे पर बवाल करने वालों के विरुद्ध पुलिस की ओर से दर्ज करेगी। इसके लिए पुलिस हंगामे के दौरान पथराव व गाड़ियों में तोड़फोड़ करने वालों को चिह्नित कर रही है।

24 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया

हंगामे और पथराव के मामले में पुलिस ने कड़ा रुख अपना लिया है। घेराबंदी के आधार पर पत्थरबाजी में शामिल कई लोगों को चिह्नित कर हिरासत में ले लिया है। गोसेवक दक्ष चौधरी समेत 24लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सरकारी कार्य में बाधा डालने और अफवाह फैलाने की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने सभी को थाने लेकर पहुंचे। एसएसपी श्लोक कुमार ने लोगों ने अपील की है कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वाली पोस्ट शेयर न करें।

फरसा वाले बाबा के हत्यारों को बीच चौराहे फांसी दी जाएः बागेश्वर बाबा

छतरपुर। फरसा वाले बाबा उर्फ चंद्रशेखर की कुचलकर हत्या के मामले ने अब सियासी और धार्मिक मोड़ ले लिया है। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए दोषियों को फांसी देने की मांग की है। महाराज ने मंच से स्पष्ट किया कि सनातन के लिए आवाज उठाने वालों को दबाने की कोशिश हो रही है।

प्रशासन सो रहा..., सनातन को खत्म किया जा रहाः देवकीनंदन

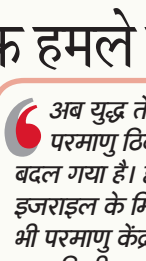

प्रखर आध्यात्मिक गुरू और कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने इस वारदात पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए इसे 'साजिश' करार दिया। प्रशासन की कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल उठाए हैं। सनातन को खत्म किया जा रहा। पुलिस और खुफिया तंत्र को इस तरह की खबर क्यों नहीं मिलती।

खबर संक्षेप

ट्रंप का गोल्डन खिताब, सोने के सिक्के पर होगा चेहरा

वाशिंगटन। अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस पर इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। यह

केवल दूसरा मौका होगा जब कोई जीवित राष्ट्रपति अपने सिक्के पर अंकित चेहरा देखेगा। इस बार यह गौरवपूर्ण अवसर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए है। कारण है कि ट्रंप को अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस की याद में बनाए जाने वाले 24 कैरेट सुनहरे सिक्के पर जगह दी जाएगी।

पीएम मोदी करेंगे नोएडा हवाई अड्डे का उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। इसके मद्देनजर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को नोएडा पहुंचे। मुख्यमंत्री दोपहर में हेलीकॉप्टर से जेवर स्थित हवाई अड्डा पहुंचे और करीब डेढ़ घंटे तक अधिकारियों के साथ बैठक कर उद्घाटन समारोह की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर पुलिस, यमुना प्राधिकरण और जिला प्रशासन ने व्यापक तौर पर तैयारियां की थीं।

सिक्किम में डोली धरती सतर्क रहने की सलाह

गंगटोक। सिक्किम में 4.1 तीव्रता का हल्का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी

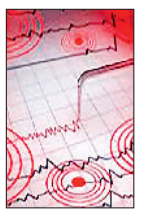

गई। शनिवार रात आठ बजकर 41 मिनट पर आए भूकंप का केंद्र मंगन जिले में सतह से 14 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप में जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि निवासियों को सतर्क रहने और सुरक्षा संबंधी सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है।

समुद्र में गिरा हेलीकॉप्टर, 6 की मौत, एक लापता

दोहा। कतर के समुद्री क्षेत्र में एक बड़ा हादसा सामने आया है, जहां एक हेलिकॉप्टर के क्रैश होने से 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है। इस दुर्घटना ने पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ा दी है और बचाव दल लगातार सातवें व्यक्ति की तलाश में जुटे हुए हैं। रविवार को सामने आई जानकारी के मुताबिक, ये हेलिकॉप्टर एक नियमित ऑपरेशन पर था, तभी अचानक तकनीकी खराबी आ गई। बताया जा रहा है कि इसी खराबी के चलते हेलिकॉप्टर का संतुलन बिगड़ गया और वह कतर के समुद्री इलाके में गिर गया।

यूएस अपनी समृद्धि बनाए रखने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार

अमेरिका विश्व ऊर्जा बाजार पर अपना कब्जा करने की कोशिश कर रहा : रूसी विदेश मंत्री सर्गेई

यूरोपीय नेता रूसी ऊर्जा संसाधन ठुकरा रहे हैं

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने रूसी मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका ग्लोबल एनर्जी मार्केट में अपना दबदबा बनाने की नीति अपना रहा है। विदेश मंत्री लावरोव ने शनिवार को कहा, अमेरिका को सिर्फ अपने हितों की फिक्र है। वह अपनी समृद्धि बनाए रखने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहता है, चाहे वह तख्तापलट हो, अपहरण हो या उन देशों के नेताओं को निशाना बनाना हो जिनके पास वाशिंगटन के लिए अहम प्राकृतिक संसाधन हैं। यह पूरा मुद्दा तेल से जुड़ा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, लावरोव ने आगे कहा कि अमेरिका इस उसूल को मानता है कि उसके फायदे हमेशा अंतरराष्ट्रीय समझौतों से पहले आते हैं। अमेरिका ने पहले भी यूरोपीय एनर्जी बाजार में रूस को अलग-थलग किए जाने का स्वागत किया और करता रहेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रूस के साथ सहयोग करने के लिए अमेरिका को पहले रूस के पक्ष की इज्जत

अपने हितों के लिए तख्ता पलट अपहरण जैसे काम भी कर रहा

एआई इमेज

करनी होगी। इससे पहले शुक्रवार को रूसी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा था कि यूरोपीय नेता रूसी ऊर्जा संसाधनों को लगातार ठुकराकर जानबूझकर अपने देशों को संकट और ऊर्जा की कमी की स्थिति में धकेल रहे हैं। मारिया जखारोवा ने अपने एक पोस्ट में कहा, यह कोई तकनीकी आपदा या कोई प्राकृतिक आपदा नहीं है जो यूरोपीय यूनियन में वैश्विक संकट पैदा कर रही है, बल्कि यह उसके अपने नेताओं के फैसले हैं, जो बस हालात बदल रहे हैं। यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने ईयू के निश्चित रुख की पुष्टि की। यह मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच, यूरोप में गंभीर एनर्जी संकट की स्थिति में भी सदस्य देशों को रूसी प्राकृतिक गैस खरीदने से साफ तौर पर रोकता है। हालांकि ईयू के इस रुख का कुछ सदस्य देशों ने विरोध किया था, जो रूस की एनर्जी सप्लाई पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने इस महीने की शुरुआत में ईयू से रूसी एनर्जी पर लगे बैन को रोकने की अपील की थी और चेतावनी दी कि तेल की बढ़ती कीमतें और सप्लाई में रुकावटें इलाके की ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करती हैं।

ईयू के रुख का कई सदस्य देशों ने किया विरोध

यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने ईयू के निश्चित रुख की पुष्टि की। यह मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच, यूरोप में गंभीर एनर्जी संकट की स्थिति में भी सदस्य देशों को रूसी प्राकृतिक गैस खरीदने से साफ तौर पर रोकता है। हालांकि ईयू के इस रुख का कुछ सदस्य देशों ने विरोध किया था, जो रूस की एनर्जी सप्लाई पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने इस महीने की शुरुआत में ईयू से रूसी एनर्जी पर लगे बैन को रोकने की अपील की थी और चेतावनी दी कि तेल की बढ़ती कीमतें और सप्लाई में रुकावटें इलाके की ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करती हैं।

ईरान ने युद्ध समाप्ति के लिए नई शर्तों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचा बनाने का प्रस्ताव रखा

ईरान भी दो कदम पीछे आया युद्ध समाप्ति के लिए रखी शर्त गारंटी दें कि हमले नहीं होंगे

डोनाल्ड ट्रंप

अब युद्ध तेल ठिकानों के बाद परमाणु ठिकानों पर हमले में बदल गया है। हालांकि, ईरान-इजराइल के मिसाइल अटैक किसी भी परमाणु केंद्र पर नहीं हुए, उनसे कुछ किमी दूर हुए हैं पर आशंका गहरा गई है कि यदि परमाणु ठिकानों पर मिसाइल पहुंचती है तो रेडिएशन से दुनिया कराह उठेगी

- **डोनाल्ड ट्रंप ने भी संकेत दिया था कि युद्ध पर हो सकती है बातचीत**
- **ट्रंप ने तेहरान को होर्मुज पूरी तरह से खोलने के लिए 48 घंटे की समय सीमा दी**

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने पश्चिम एशिया में बिना किसी विदेशी दखल के शांति, सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र के देशों को मिलाकर एक सुरक्षा ढांचा बनाने का प्रस्ताव रखा। इसके साथ ही उन्होंने चल रहे युद्ध को खत्म करने की शर्तें दोहराईं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक फोन कॉल में यह बात कही, जिसमें दोनों पक्षों ने आपसी संबंधों के साथ-साथ ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद हुए नए क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी चर्चा की। रिपोर्ट में कहा गया है कि पेजेश्कियन ने कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए ईरान की पहली शर्त अमेरिका और इजराइल के हमलों को तुरंत रोकना और यह गारंटी देना है कि भविष्य में ऐसे हमले दोबारा नहीं होंगे। उन्होंने ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई, बड़े सैन्य कमांडरों और आम लोगों की हत्या करने और देश के पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाने के लिए अमेरिका और इजराइल की कड़ी निंदा की।

- **ट्रंप ने दावा किया था कि युद्ध का मकसद ईरान को न्यूक्लियर हथियार बनाने से रोकना है**
- **ईरान ने कहा कि पूर्व नेता खामेनेई परमाणु हथियार बनाने के सख्त खिलाफ थे**

अमेरिका से एलपीजी सिलेंडर और रूस से पेट्रोल डीजल लेकर पहुंचा जहाज

रूस से कच्चे तेल से लदा 'एक्वा टाइटन' और अमेरिका से एलपीजी लेकर निकला जहाज 'पिक्सिस पायोनियर' रविवार सुबह कर्नाटक के मंगलुरु बंदरगाह पहुंच गया। इससे घरेलू बाजार में पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों को स्थिर रखने में मदद मिलेगी। ये जहाज मूल रूप से चीन जा रहा था, लेकिन बीते दिनों अमेरिका ने समुद्र में फंसे रूसी तेल को बिक्री के लिए अस्थायी लाइसेंस जारी किया था। इसके बाद इस जहाज को दक्षिण चीन सागर में कोर्स बदलकर भारत की ओर मोड़ दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस भुयान की टिप्पणी

कई जज राजा से ज्यादा वफादार जैसी मानसिकता से काम कर रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान ने न्यायपालिका की कार्यप्रणाली पर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि कई जज राजा से ज्यादा वफादार जैसी मानसिकता से काम कर रहे हैं। इसका मतलब यह है कि कुछ जज जरूरत होने पर भी बेल (जमानत) नहीं देते, जिससे लोग महीनों और वर्षों तक जेल में पड़े रहते हैं। उन्होंने यह बात सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन राष्ट्रीय सम्मेलन 2026 में कही, जहां वे 'विकसित भारत में न्यायपालिका की भूमिका' विषय पर बोल रहे थे।

न्यायपालिका को संविधान का रक्षक बनकर काम करना चाहिए

आंध्र प्रदेश में मिलावटी दूध का कहर

पूर्वी गोदावरी में दूध पीने से किडनी फेल, 16 की मौत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में मिलावटी दूध पीने से मरने वाले की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। जबकि तीन लोगों का राजमहेंद्रवरम के अस्पतालों में इलाज चल रहा है। यह घटना फरवरी के मध्य की है, जब लालचेरुवु के कुछ हिस्सों में सप्लाई किए गए मिलावटी दूध के कारण कथित तौर पर कई ग्राहक गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। इनमें उल्टी, पेट दर्द, पेशाब न आना और किडनी का अचानक काम करना बंद कर देना शामिल था, जिसके चलते कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

संदिग्ध डेयरी यूनिट की आपूर्ति रोकी जांच शुरू

चेतावनी के बाद छोड़े गए

कोस्ट गार्ड मुख्यालय के पास उड़ा रहे थे ड्रोन, 2 अमेरिकी पर्यटकों पर केस दर्ज

एजेंसी ▶▶ कोच्चि

केरल के कोच्चि में दो अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। दोनों अमेरिकी नागरिकों पर प्रतिबंधित इलाके में ड्रोन उड़ाकर वीडियो रिकॉर्ड करने का आरोप है। उन पर एयरक्राफ्ट एक्ट और ड्रोन नियमों के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल उन्हें चेतावनी देकर छोड़ा गया है। केरल के कोच्चि से एक अहम मामला सामने आया है, जहां सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने पर दो अमेरिकी पर्यटकों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। दरअसल, फोर्ट कोच्चि इलाके में स्थित कोस्ट गार्ड मुख्यालय के पास ड्रोन उड़ाना सख्त मना है, क्योंकि यह इलाका 'रेड जोन में आता है और यहां नौसेना व तटरक्षक बल की महत्वपूर्ण गतिविधियां होती हैं।

पद्मनाभमंदिर में सबसे ज्यादा खजाना

तिरुपति बालाजी दुनिया का तीसरा सबसे अमीर धर्मस्थल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में कई ऐसे मंदिर हैं, जहां पर हर साल करोड़ों रुपये का चढ़ावा चढ़ता है। इसलिए इन मंदिरों के पास बेशुमार दौलत है। कई मंदिरों के बैंकों में हजारों करोड़ रुपये जमा है। साथ ही सोना-चांदी और हीरे-जवाहरात का बड़ा खजाना मंदिरों के पास है।

भारत के टॉप 10 सबसे अमीर मंदिरों के पास 9 लाख करोड़ से ज्यादा की संपत्ति है। ग्लोबल वेल्थ इंडेक्स-2026 के मुताबिक तिरुपति बालाजी मंदिर 3.38 लाख करोड़ की चल-अचल संपत्ति के साथ दुनिया का तीसरा सबसे अमीर धर्मस्थल है। **100 देशों की**

जीडीपी से ज्यादा तिरुपति की संपत्ति : इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड और वर्ल्ड बैंक के डेटा के मुताबिक तिरुपति मंदिर की कुल संपत्ति साइप्रस, आइसलैंड, एस्टोनिया जैसे 100 छोटे देशों की जीडीपी से भी ज्यादा है। यहां सामान्य और खास दिनों में औसतन 1 से 5 करोड़ तक का चढ़ावा आता है। इस साल 17 मार्च को एक ही दिन 4.88 करोड़ का चढ़ावा आया।

अमेरिकी सांसदों ने एकजुटता के साथ प्रस्ताव पास किया, कहा

बंगाली हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान के अत्याचारों को नरसंहार घोषित किया जाए

- **विदेश मामलों की समिति को भेजा जाएगा प्रस्ताव**
- **अभियान में नेताओं, बुद्धिजीवियों पेशेवरों और छात्रों को मारा गया**

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी सांसद ग्रेग लैंड्समैन ने प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें मांग की गई है कि पाकिस्तानी सेना और उसके सहयोगी संगठन जमात-ए-इस्लामी द्वारा 25 मार्च 1971 को बंगाली हिंदुओं के खिलाफ किए गए अत्याचारों को युद्ध अपराध और नरसंहार माना जाए। ओहायो से डेमोक्रेट सांसद लैंड्समैन ने यह प्रस्ताव पेश किया, जिसे अब विदेश मामलों की समिति को भेज दिया गया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि 25 मार्च 1971 की रात पाकिस्तान सरकार ने शेख मुजीबुर रहमान को गिरफ्तार कर लिया और उसकी सेना ने जमात-ए-इस्लामी की

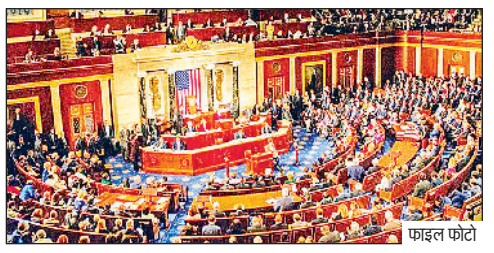

फाइल फोटो

विचारधारा से प्रेरित उग्र इस्लामी समूहों के साथ मिलकर पूर्वी पाकिस्तान में ऑपरेशन सर्चलाइट नाम से एक व्यापक दमन अभियान शुरू किया, जिसमें नागरिकों का बड़े पैमाने पर नरसंहार किया गया। इसमें यह भी कहा गया है कि 28 मार्च 1971 को ढाका में अमेरिका के महावाणिज्य दूत आर्चर ब्लड ने वाशिंगटन को चुनिंदा नरसंहार शीर्षक से एक टेलीग्राम भेजा था, जिसमें उन्होंने लिखा था, पाकिस्तानी सेना के समर्थन से गैर-बंगाली मुसलमान गरीब बस्तियों पर संगठित हमले कर रहे हैं और बंगालियों तथा हिंदुओं की हत्या कर रहे हैं।लैंड्समैन ने बताया कि छह अप्रैल 1971 को आर्चर ब्लड ने अमेरिकी सरकार की चुप्पी पर आपत्ति जताते हुए एक संदेश भेजा था, जिस पर ढाका वाणिज्य दूतावास के 20 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। इसे बाद में ब्लड टेलीग्राम के नाम से जाना गया। उस टेलीग्राम में कहा गया था, लेकिन हमने इस आधार पर हस्तक्षेप न करने का फैसला किया है कि अवामी संघर्ष, जिसमें दुर्भाग्यवश नरसंहार शब्द लागू होता है, एक संप्रभु देश का आंतरिक मामला है। लैंड्समैन द्वारा लाए गए प्रस्ताव में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से आग्रह किया गया है कि वह 25 मार्च 1971 को बांग्लादेश के लोगों के खिलाफ पाकिस्तानी सशस्त्र बलों द्वारा किए गए अत्याचारों की निंदा करे। प्रस्ताव में कहा गया है कि पाकिस्तानी सेना और उसके इस्लामी सहयोगियों ने धर्म और लिंग की परवाह किए बिना जातीय बंगालियों की हत्या की, उनके नेताओं, बुद्धिजीवियों, पेशेवरों और छात्रों को मार डाला और हजारों महिलाओं को यौन दासता के लिए मजबूर किया। इसमें यह भी कहा गया है कि उन्होंने विशेष रूप से धार्मिक अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाया, जिनके खिलाफ सामूहिक हत्याएं, सामूहिक बलात्कार, जबरन धर्मांतरण और जबरन निष्कासन जैसी घटनाओं को अंजाम दिया गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28